

राहुल खड़गे की बैठक में पंजाब से संसद तक की रणनीति पर मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी) लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी विदेश यात्रा से लौटने के बाद मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले। दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच हुई बैठक में पंजाब कांग्रेस में चल रही अंदरूनी कलह, राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा(नीट) एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड(सीबीएसई) परीक्षाओं से जुड़े छात्र आंदोलन, संसद के आगामी मानसून सत्र की रणनीति तथा संभावित परिसीमन विधेयक सहित कई महत्वपूर्ण राजनीतिक विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक में पंजाब कांग्रेस के संगठनात्मक विवाद पर विचार किया गया। हालांकि इसे सुलझाने को लेकर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। हाल ही में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल के दौरे के दौरान यह विवाद खुलकर सामने आया था। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और वरिष्ठ नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा के समर्थक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पार्टी नेतृत्व ने हाल ही में वडिंग को उनके पद पर बनाए रखने का निर्णय लिया था।

बैठक में दूसरा प्रमुख विषय नीट प्रश्नपत्र लीक और सीबीएसई परीक्षाओं में कथित अव्यवस्था के विरोध में कांग्रेस के छात्र अभियान को आगे बढ़ाने का रहा। राहुल गांधी ने इस अभियान की शुरुआत 17 जून को राजस्थान के कोटा से की थी। अभियान का अगला कार्यक्रम पहले 15जुलाई को पटना में प्रस्तावित था, लेकिन अब इसे 17जुलाई को देहरादून में आयोजित किया जाएगा।

कांग्रेस के सूत्रों का आरोप है कि उत्तराखंड सरकार राजनीतिक कारणों से छात्र रैली के लिए कार्यक्रम स्थल की अनुमति देने में देरी कर रही है, जिससे आयोजन में बाधाएं उत्पन्न की जा रही हैं।

बैठक में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने 20जुलाई से 13अगस्त तक प्रस्तावित संसद के मानसून सत्र के दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(एनडीए) (सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया।

कांग्रेस का कहना है कि अयोध्या स्थित राम मंदिर से जुड़े कथित



चंदा गबन का मामला मानसून सत्र का प्रमुख मुद्दा होगा। पार्टी इस मामले की जांच उच्चतम न्यायालय के किसी वर्तमान न्यायाधीश की निगरानी में कराने की मांग कर रही है। कांग्रेस का दावा है कि इस मामले में सरकार को असहज स्थिति में ला दिया है।

लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक मोहम्मद जावेद ने कहा कि सरकार को इस मामले सहित कई विषयों पर जवाब देना होगा। उन्होंने बताया कि कांग्रेस मानसून सत्र में नीट, सीबीएसई, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम(मनरेगा) विदेशी चंदा, विदेश नीति तथा अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दे भी प्रमुखता से उठाएंगी।

बैठक में संभावित परिसीमन विधेयक पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र सरकार लोकसभा की वर्तमान 543 सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने की तैयारी कर रही है। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियाÔ ने पूर्व में इस प्रस्ताव का विरोध किया था और अब भी इसे लेकर रणनीति बना रहा है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार दो-तिहाई बहुमत सुनिश्चित

करने के लिए तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) जैसे दलों में विभाजन कराने का प्रयास कर रही है, ताकि परिसीमन विधेयक पारित कराया जा सके।

सूत्रों के अनुसार, यदि परिसीमन विधेयक संसद में लाया जाता है तो तृणमूल कांग्रेस के लगभग 20 और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के छह बागी सांसद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पक्ष में मतदान कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में द्रविड़ मुनेत्र कणगम(द्रमुक) की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसके लोकसभा में 22सांसद हैं।

हालांकि द्रमुक ने लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग करते हुए संकेत दिया है कि वह अब कांग्रेस के साथ पूर्व जैसी राजनीतिक स्थिति में नहीं है। बताया जा रहा है कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस द्वारा तमिलना वेत्री कणगम(टीवीके) की सरकार बनने के समर्थन को लेकर द्रमुक नाराज है।

समय रैना की सुप्रीम कोर्ट की फटकार 3 लाख जुर्माना भरो,वरना 30लाख देने होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)

कॉमेडियन समय रैना को इंडियाज गॉट लेटेस्ट विवाद में सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उन्हें अदालत के निर्देशों के



उल्लंघन करने और गुमराह करने के लिए कड़ी फटकार लगाई और 3लाख रुपये जुर्माना भरने का निर्देश दिया है। पहले 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। मंगलवार को हुई सुनवाई में कोर्ट ने यह भी कहा कि नहीं पता कि वह(रैना) किस तरह के यूथ आइकन हैं। ये सोचकर ही चिंता होती है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या वागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने सुनवाई में कहा कि जुर्माने की राशि 2सप्ताह के अंदर जमा होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर अगली सुनवाई में वह संतुष्ट नहीं हुआ तो 30लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

उधर , क्योर एसएमएफ फाउंडेशन के वकील अपराजिता सिंह ने बताया कि रैना लगातार शो कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने न फाउंडेशन से और न किसी दिव्यांग से इस आदेश के सिलसिले में संपर्क किया।

यह पूरा विवाद रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेस्ट से जुड़ा है, जिसमें वो , रणवीर अल्लाहबादिया और अन्य कॉमेडियन द्वारा दिव्यांगजनों , नेत्रहीनों और स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित बच्चों का मजाक उड़ाया गया था।

सीबीएसई 3लैंग्वेज पालिसी पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और एनसीईआरटी से जवाब मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी) सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार, एनसीईआरटी और सीबीएसई से उन दो नयी याचिकाओं पर जवाब मांगा, जिनमें कक्षा 9वीं के छात्रों के लिए दो भारतीय भाषाओं सहित तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य करने संबंधी नीति को चुनौती दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या वा गंची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की बेंच ने याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनंद गोवर और गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों पर गौर किया, इसके बाद बेंच ने केंद्र सरकार समेत अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर 10दिनों के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया.सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, हम इन याचिकाओं पर 29 जुलाई को सुनवाई करेंगे. अमनदीप कौर और अरुण रॉय चौधरी ने नयी याचिकाएं दायर की हैं. उन्होंने केंद्र, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और राष्ट्रीय शै क्षिक अनु संधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) (को इस मामले में पक्षकार बताया है.एक वकील ने कहा कि अधिभावकों और स्कूलों ने पाठ्यपुस्तकों की भारी कमी और अचानक इस नीति को लागू करने के बोझ का जिक्र किया है. गोवर ने



दलील दी, वे ऐसे परिपत्र लागू कर रहे हैं जो शिक्षा का अधिकार(आरटीई) अधिनियम के विपरीत और अवैध हैं. वैकल्पिक व्यवस्था दिए बिना भाषाएं थोपी जा रही हैं . यदि संस्कृत के बिना पंजाबी पढ़ाई जाएगी , तो उसके लिए शिक्षक कहां से आएंगे.उन्होंने कहा, हम यहां 6वीं और 9वीं कक्षा के छात्रों के हितों की बात कर रहे हैं. सबसे बड़ी व्यावहारिक समस्या यह है कि एक राज्य ने एक जुलाई तक सभी पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है, लेकिन अभी 22भाषाओं में से केवल तीन भाषाओं की ही किताबें उपलब्ध हैं. इसके साथ ही शिक्षकों की कमी के कारण भी कठिनाइयां खड़ी हो गई हैं.

शंकरनारायणन ने कहा, वे कहते हैं कि गैर-मूल भाषाएं मूल भाषाओं से अलग होती हैं...अब वे अंग्रेजी को एक गैर-मूल भाषा की तरह देख रहे हैं. वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा, कोई बच्चा अब तक अंग्रेजी और फ्रेंच पढ़ रहा है और अचानक कक्षा 9वीं के 14वर्षीय छात्र से कहा जाता है कि अब तमिल भी सीखो. ऐसे में शिक्षक, आवश्यक बुनियादी ढांचा और अन्य संसाधन कहां से आएंगे.इस पर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने कहा, हम नोटिस जारी कर रहे हैं . इस बीच सभी पक्ष अपना जवाब दाखिल करें. इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भारती से तीन-भाषा नीति लागू करने के लिए सीबीएसई की तैयारियों और व्यवस्थागत क्षमता पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था.याचिकाकर्ता यशिका भंडारी जैन और अन्य की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि सीबीएसई ने देशभर के लिए एक परिपत्र जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि अगले शैक्षणिक सत्र से छात्रों को तीन भाषाओं का अध्ययन करना होगा.सीबीएसई के जारी परिपत्र के अनुसार , एक जुलाई से कक्षा 9वीं के छात्रों के लिए कम से कम दो भारतीय भाषाओं सहित तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य कर दिया गया है.

बांकीपुर की जानता ने जो आशीर्वाद मुझे दिया वही आशीर्वाद और विश्वास नीरज को भी मिलेगा: नितिन नवीन

पटना (एजेंसी) भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को पटना में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी ने बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र की सेवा और विकास की जिम्मेदारी एक समर्पित कार्यकर्ता नीरज सिन्हा को सौंपी है। उन्होंने विश्वास जताया कि जिस तरह बांकीपुर की जनता ने उन्हें खेह, विश्वास और आशीर्वाद दिया, उसी तरह नीरज सिन्हा को भी भारी समर्थन देकर विजयी बनाएंगी। नितिन नवीन ने कहा कि बांकीपुर की जनता और कार्यकर्ताओं के सहयोग से ही उन्हें सेवा का अवसर मिला। भाजपा नेतृत्व ने एक मंडल अध्यक्ष जैसे जमनी कार्यकर्ता पर भरोसा जताकर जनता की सेवा का दायित्व सौंपा है। यह भाजपा की कार्यकर्ता आधारित राजनीति का सबसे बड़ा उदाहरण है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद बनने के बाद उनका यह पहला एक दिवसीय प्रवास बांकीपुर का था। उन्होंने कहा कि चूंकि यह मेरा क्षेत्र रहा है, इसलिए क्षेत्र की जनता की अपेक्षा थी कि मैं उनके सामने आऊं। एक कार्यकर्ता और प्रतिनिधि होने के नाते मेरी जवाबदेही थी कि मैं अपने लोगों के बीच खड़ा रहूं। नितिन नवीन ने कहा कि जो मेरे पिता स्व. नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा को याद करते हुए कहा कि उन्होंने संघर्ष कर इस क्षेत्र को सींचा। उनके



आशीर्वाद और जनता के विश्वास से ही उन्हें पिछले 20 वर्षों तक लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनकर काम करने का अवसर मिला। मेरे क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और जनता ने ही मुझे काम करना सिखाया है। आज मैं जिस सुकाम पर हूं, उसमें बांकीपुर की जनता के आशीर्वाद का सबसे बड़ा योगदान है। नितिन नवीन ने नीरज सिन्हा को जनसंघ काल के कार्यकर्ता परिवार का सदस्य बताते हुए कहा कि वे एक ऐसे युवा हैं जिन्हें क्षेत्र के लोग समर्पित कार्यकर्ता के रूप में जानते हैं। भले ही उनकी पहचान बहुत बड़ी न हो, लेकिन जिस क्षेत्र में वे काम करते हैं, वहां उनकी सेवा बहुत बड़ी है। वे हर व्यक्ति की समस्या के साथ खड़े

रहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि बांकीपुर की जनता का वही खेह और आशीर्वाद नीरज सिन्हा को भी मिलेगा।

नीरज सिन्हा बांकीपुर के लोगों के भाई और बेटे बनकर समर्पण और सेवा भाव से क्षेत्र की सेवा करेंगे और विकास की यात्रा को नई गति देंगे । पिछले 20 वर्षों के कार्यकाल और 5वर्षों के मंत्री कार्यकाल का जिक्र करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि बांकीपुर में पार्क, सामुदायिक भवन, सड़क, पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि वेंडिंग ज़ोन और कम्प्यूनिटी टॉ यलेट जैसी सुविधाएं भी सरकार के विजत का हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि पटना नगर निगम ने बिहार का पहला सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट का सफल टेडर किया है। इससे शहर की सफाई और स्वच्छता के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आएगा। नितिन नवीन ने स्पष्ट किया कि राज्यसभा सांसद बनने के बाद भी बांकीपुर उनके लिए प्राथमिकता रहेगा। उन्होंने कहाकि पार्टी ने मुझे राज्यसभा में अवसर दिया है। सांसद के रूप में मेरी वो भूमिका रहेगी , उसमें भी बांकीपुर मुझसे दूर नहीं रहेगा। बांकीपुर के विकास का संकल्प नितिन नवीन के साथ हमेशा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में टीम के साथ मिलकर ज्वलंत मुद्दों के समाधान और लोगों को बेहतर जीवन देने का प्रयास किया गया है।

लारेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ गैंग पर अमेरिकी एवशन, विदेश मंत्रालय ने दिया दो टुक जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी) भारत ने मंगलवार को कहा कि उसने कनाडा के एक सीनियर पुलिस अधिकारी की बात पर ध्यान दिया है. अधिकारी ने कहा था कि 2023 में सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच कर रहे लोगों को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे भारतीय सरकारी एजेंटों का इस हत्या से कोई संबंध साबित हो सके.

रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस की डिप्टी कमिश्नर लिसा मोरलैंड की ये टिप्पणी पिछले हफ्ते तब आई, जब अमेरिकी अधिकारियों ने जेल में बंद मैगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके साथी सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ पर निज्जर की हत्या का आदेश देने का आरोप लगाया.

मोरलैंड की टिप्पणी कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के उस आरोप के उलट थी, जिसमें उन्होंने सिख अलगाववादी की हत्या के लिए भारतीय सरकारी एजेंटों को जिम्मेदार ठहराया था. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक मीडिया ब्रीफिंग में



कहा , हमने कई देशों में काम कर रहे अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराधिक नेटवर्क के खिलाफ आरोपों और कार्रवाई के बारे में अमेरिकी न्याय विभाग की घोषणाओं को देखा है.उन्होंने कहा कि भारत का हमेशा से यह मानना रहा है कि अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध, आतंकवाद , नशीली दवाओं की तस्करी, मानव तस्करी, अवैध हथियारों की तस्करी और इनसे जुड़े आपराधिक नेटवर्क हमारे समाज के लिए गंभीर खतरा हैं. जायसवाल ने कहा कि भारत ने मोरलैंड की टिप्पणी पर

ध्यान दिया है. उन्होंने कहा, आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से निपटने में भारत और अमेरिका के बीच मजबूत और बढ़ता हुआ सहयोग है. हमारी एजेंसियों ने पिछले कुछ वर्षों में मिलकर काम किया है और यह सहयोग लगातार गहरा होता जा रहा है.उन्होंने कहा, ये बातें हाल ही में सामने आए उस अमेरिकी आरोपपत्र से मेल खाती हैं, जिसमें लॉरेंस बिश्नोई के संगठित अपराध गिरोह के सदस्यों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया गया है.उन्होंने आगे कहा, भारत आतंकवाद और सीमा-पार संगठित अपराध से निपटने के लिए अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम करने और कानून लागू करने वाली एजेंसियों व सुरक्षा के क्षेत्र में करीबी सहयोग बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है. ब्रिटिश कोलंबिया में एक गुरुद्वारे के बाहर निज्जर की हत्या के कुछ हफ्तों बाद, ट्रूडो ने भारत सरकार पर इस मिश्र अलगाववादी की हत्या में शामिल होने का सनसनीखेज आरोप लगाया था. नाराज नई दिल्ली ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए बेतुका बताया.

अश्विनी विष्णु ने रिफार्म एक्सप्रेस के तहत 8और बड़े सुधारों का ऐलान किया

नई दिल्ली (एजेंसी) केंद्र सरकार ने भारतीय रेल को अधिक आधुनिक, दक्ष और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को सुधार एक्सप्रेस पहल के तहत रेलवे में आठ नए संरचनात्मक सुधारों की घोषणा की। इसके साथ ही इस अभियान के अंतर्गत लागू किए गए सुधारों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। रेल मंत्री ने कहा कि मंत्रालय का लक्ष्य 52सप्ताह में 52 सुधार लागू करना है, ताकि रेलवे की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, दक्षता और नवाचार को बढ़ावा मिल सके।रेल मंत्री ने बताया कि देश में प्रतिवर्ष लगभग 34करोड़ टन फ्लाई ऐश का उत्पादन होता है। अब तक इसकी ढुलाई खुले माल वैगनों में होने से धूल प्रदूषण की समस्या बनी रहती थी। नई व्यवस्था के तहत अब अंतरराष्ट्रीय मानक (आईएसओ) के बंद कंटेनरों में फ्लाई ऐश का परिवहन किया जाएगा। इससे बिजली संयंत्रों से सीधे लोडिंग, सुरक्षित उताराई, सीमेंट संयंत्रों में



बेहतर भंडारण तथा प्रदूषण-मुक्त परिवहन सुनिश्चित होगा। साथ ही सड़क परिवहन पर निर्भरता भी कम होगी।पहले चार अलग-अलग श्रेणियों के लाइसेंस होते थे, जिन्हें समाप्त कर अब पूरे देश के लिए एक समान लाइसेंस व्यवस्था लागू की गई है। अब 25करोड़ रुपये के एकमुश्त शुल्क पर कोई भी परिचालक पूरे भारतीय रेल नेटवर्क पर कंटेनर रेलगाडियां संचालित कर सकेगा। यह लाइसेंस 20 वर्ष तक मान्य रहेगा तथा इसके नवीनीकरण के लिए अलग से कोई शुल्क नहीं देना होगा।

अमेरिका ने ईरान पर फिर किया हमला, ट्रंप बोले होर्मुज में जहाजों से 20 प्रतिशत शुल्क वसूलेंगे

वाशिंगटन (एजेंसी) अमेरिका ने ईरान में करीब 5घंटे तक लगातार बमबारी की है। इस दौरान बुशहर, चाबहार, जास्क, कोनार्क, अबू मूसा और बंदर अब्बास में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। ये लगातार तीसरा दिन है, जब अमेरिका ने ईरान पर हमला किया है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर कब्जा करने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका होर्मुज की सुरक्षा करेगा और बदले में जहाजों से 20प्रतिशत शुल्क वसूला जाएगा। अमेरिकी सेंट्रल कमांड(सैंटकॉम) ने बताया कि ईरान पर हमलों का ताजा दौर पूरा हो गया। करीब 5 घंटे चले अभियान में बुशहर, चाबहार, जास्क, कोनारक, अबू मूसा और बंदर अब्बास में सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले किए गए। अमेरिका ने कहा कि इस दौरान ईरान के तटीय रक्षा तंत्र , मिसाइल, ड्रोन ठिकानों और समुद्री सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाया गया। अमेरिका ने बंदर अब्बास स्थित पनडुब्बी और नौसैनिक मरम्मत सुविधा पर भी हमला किया। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने बहरीन के अल जुफैर अड्डे पर अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है।

आईआरजीसी ने कहा कि हमलों में बेस पर स्थित ईंधन डिपो में आग लग गई और एक पैट्रियट रडार, एयर कंट्रोल रडार, एक सी-रैम अली वार्निंग सि स्टिम और मानवरहित सतही जहाजों के नियंत्रण एवं निगरानी केंद्र नष्ट हो गए। आईआरजीसी ने कहा कि जवाबी कार्रवाई जारी है।ट्रंप ने कहा, सभी देशों को होर्मुज का निष्पक्ष



और खुला उपयोग करने की अनुमति होगी। अब से अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य का संरक्षक कहा जाएगा और निष्पक्षता के आधार पर इस संवेदनशील समुद्री मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करने में होने वाले सभी खर्चों की भरपाई के लिए यहां से भेजे जाने वाले हर कागों पर 20प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा। इस व्यवस्था को तुरंत लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा,

अमेरिकी राष्ट्रपति बिल्कुल सही हैं। जो भी होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के लिए सुरक्षित और सुगम मार्ग प्रदान करता है, उसे इस सेवा के लिए मुआवजा मिलना चाहिए। ईरान हमेशा से इस जलडमरूमध्य का संरक्षक रहा है और हमेशा रहेगा। उन्होंने ट्रंप द्वारा प्रस्तावित शुल्क की राशि पर निशाना साधते हुए कहा, 20 प्रतिशत तो निश्चित रूप से बहुत ज्यादा है। हम निष्पक्ष रहेंगे।

पाकिस्तान को बाढ़ के तेज होने से भारी नुकसान का अनुमान, सरकार की अधूरी तैयारियों पर गहसाई चिंता



इस्लामाबाद (एजेंसी)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में मानसून बाढ़ का मौसम शुरू होने के साथ ही स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में बाढ़ की अधूरी तैयारी को लेकर चिंता जताई गई है। इस देरी के पीछे देश के मौजूदा वित्तीय संकट को एक बड़ा कारण बताया गया है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया”,संभावित बाढ़ से निपटने के लिए ठोस उपाय अभी पूरे नहीं हुए हैं। चल रहे वित्तीय संकट के कारण मौनसून की तैयारी के लिए जरूरी फंड भी जारी नहीं किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रावलपिंडी में कई नालों से गाद नहीं निकाली गई है और लेह नाला इलाके में कई लोगों को कुछ समय के लिए दूसरी जगह भेज दिया गया। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों ने अपना कीमती सामान सुरक्षित जगहों पर पहुंचा दिया है।इसमें यह भी बताया

गया है कि जिन बिल्डिंग और दुकानों की छतें टपक रही हैं और दीवारें कमजोर हैं, उन्हें खाली करने के लिए लगातार नोटिस जारी होने के बाद भी खाली नहीं किया जाता है। हर मौनसून में एक या दो बिल्डिंग थोड़ी या पूरी तरह से गिर जाती हैं और नोटिस सिर्फ ऐसी घटनाओं के लिए कार्रवाई के सबूत के तौर पर जारी किए जाते हैं। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने कहा,”खाली करने के नोटिस से जुड़े मामले कोर्ट में भी पेंडिंग हैं, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक , किराएदारों के साथ कथित मिलीभगत की वजह से सरकार उन पर असरदार तरीके से कार्रवाई नहीं करती है, जिससे बार-बार मामले टलतेहैं।”इस बीच, स्थानीय मीडिया ने बताया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में भारी बारिश से आई अचानक बाढ़ से बहुत ज्यादा तबाही हुई है।

ब्रिटेन सरकार ने आईआरजीसी समेत 2 ईरानी समूह को आतंकवादी घोषित किया



लंदन (एजेंसी) लंदन,14 जुलाई। ब्रिटेन की सरकार ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर(आईआरजीसी) समेत 2 समूह को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया है। गुह मंत्रालय ने बताया कि वह ईरानी सेना की प्रमुख शाखा आईआरजीसी को समर्थन देने पर प्रतिबंध लगाएगा और इस्लामिक मूवमेंट ऑफ द कं पैनियंस ऑफ द राइट (आईएमसीआर) को भी प्रतिबंध करेगा। ब्रिटेन में प्रतिबंध लागू होने से इन समूहों को समर्थन देना प्रभावी रूप से गैरकानूनी माना जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन की सरकार ने बताया कि कई धमकियों के बाद, जिनमें ईरान इंटरनेशनल टेलीविजन के 2पत्रकारों की हत्या की साजिश और ब्रिटिश ठिकानों पर साइबर हमले शामिल हैं, वह आईआरजीसी पर प्रतिबंध लगा

रही है। वहीं , आईएमसीआर पर ब्रिटेन में यहूदी ठिकानों पर हमलों की एक श्रृंखला का आरोप लगाया गया है। सरकार रूसी सैन्य खुफिया की एक अंतरराष्ट्रीय शाखा , रूसी फेडरेशन वॉलंटियर कोर(जीआरयू) पर भी प्रतिबंध लगाने की भी तैयारी कर रही है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक बयान में कहा कि इन नई शक्तियों से ब्रिटेन में अपने घिनीने काम करने वाले किसी भी व्यक्ति पर मुकदमा चलााना और उसे जेल में डालना आसान हो जाएगा। इसका उद्देश्य संगठन को बढ़ावा दे ने वाले व्यक्तियों को बाधित करना है। कानून का उल्लंघन करने पर 14साल तक कैद और जुर्माना हो सकता है।

पीओके में फिर पाकिस्तान सरकार का दमन, गोलीबारी में 6 लोगों की मौत

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर(पीओके)में एक बार फिर पाकिस्तानी सरकार ने दमनपूर्ण कार्रवाई की है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने रावलकोट में आम लो गों पर गोलियां चलाईं, जिसमें 6आम लोग मारे गए हैं। शहर के नए बस टर्मिनल के पास हुई झड़पों के दौरान पाकिस्तानी बलों ने गोलीबारी की। हालिया



हिंसा ने इस क्षेत्र में तना व को और बढ़ा दिया है, जहां पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ असंतोष लगातार बढ़ रहा है। मारे गए लोगों की पहचान जाहिद मुगल, जफर मुगल, अरसलान अकबर और वाजिद हयात के तौर पर हुई है। मटियालमीरा के रहने वाले वाजिद युवा क्रिकेटर थे और लंबे समय से पीओके आंदोलन से जुड़े हुए थे।रिपोर्ट के मुताबिक, वे रावलकोट और उसके आसपास होने वाले क्लब क्रिकेट, जिला स्तर के मैचों और स्थानीय स्तर के टूर्नामेंट्स में खेला करते थे। वे रावलकोट के मतियाल मीरा बस टर्मिनल पर मारे गए।इससे पहले भारत ने पीओके में जारी विरोध प्रदर्शनों को लेकर पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की और कहा कि यह अशांति इस्लामाबाद द्वारा इस क्षेत्र में अपने अवैध और जबरन कब्जे के तहत दशकों से किए जा रहे व्यवस्थित शोषण, मौलिक अधिकारों से वंचित करने और प्रशासनिक उत्पीड़न का नतीजा है।भारत ने कहा, पाकिस्तान ने निहत्थे महिलाओं और बच्चों सहित अन्य लोगों के खिलाफ अत्यधिक पुलिस बर्बरता का सहारा लिया।

नेपाल में फिर जेन-जी आंदोलनः 3लोगों ने आत्मदाह किया, प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग तेज

काठमाण्डू (एजेंसी)

नेपाल में पिछले जेन-जी आंदोलन को अभी एक साल भी नहीं हुआ है कि युवा फिर सड़कों पर उतर आए हैं। पिछले आंदोलन के बल पर सत्ता में आए प्रधानमंत्री बालेन शाह अब खुद युवाओं के गुस्से का शिकार हो रहे हैं। कीते सप्ताहांत पूरे देश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए, जिसमें विपक्षी नेताओं और प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री बालेन का इस्तीफा मांगा। वहीं, 3 लोग आत्मदाह कर चुके हैं, जिनमें 2की मौत हो गई है। काठमांडू में पार्किंग को ले कर पुलिस से झड़प के बाद गणेश नेपाली नामक ड्राइवर ने खुद को आग लगा ली। इलाज के लिए दिल्ली जाए जाने से पहले ही गणेश की मौत हो गई। इसके बाद राजधानी में प्रदर्शन शुरू हो गए। सैकड़ों युवा न्याय की मांग करते हुए सड़कों पर उतर आए। युवाओं ने बालेन शाह से प्रधानमंत्री पद छोड़ते की मांग की। बालेन के खिलाफ संसद में भी विरोध तेज हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, गणेश बार-बार जुर्माना लगने और मोटरसाइकिल लॉक होने की घटनाओं से परेशान थे। उन्होंने अपने रिश्तेदार को बताया था कि अधिकारियों ने उन पर 1,000रुपये का जुर्माना लगा दिया। परिवार का कहना है कि गणेश ने मरने से पहले अधिकारियों को दोपी ठहराया था। घटना वाले दिन भी पुलिस उनकी मोटरसाइकिल को जब्त कर ले जा रही थी। इसी दौरान उन्होंने मोटरसाइकिल से पेट्रोल निकाला और खुद को आग लगा ली। रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना के बाद 3 दिनों के भीतर 2और लोगों ने आत्मदाह की



कोशिश की। 10 जुलाई को सरलाही में 35वर्षीय विवेक मंडल ने आत्मदाह का प्रयास किया। गंभीर स्थिति में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। 11 जुलाई को 45वर्षीय अश्विन रा उत ने काठमांडू के बुद्धनगर में खुद को आग लगा ली। इलाज के दौरान वीर अस्पताल में उनका निधन हो गया। विपक्षी सांसदों ने सरकार पर त्रासदी को रोकने में विफल रहने और स्थिति को ठीक से न संभालने का आरोप लगाया। सांसद बसाना थापा ने कहा, जब एक युवक ने राज्य के आतंक के चलते खुद को आग लगा ली, तब भी सरकार मूकदर्शक बनी

रही। अब समय आ गया है कि बालेन अपना अधिकार का चश्मा उतार दें। सांसद ऐन बहादुर महार ने कहा, नागरिकों को आत्मदाह करने के लिए मजबूर करने वाली परिस्थितियों के लिए सरकार जिम्मेदार है। पिछले साल नेपाल में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध, बेरोजगारी , भ्रष्टाचार और अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर युवा सड़कों पर उतर आए थे। इन प्रदर्शनों में 70 से ज्यादा लोग मारे गए थे और तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी ओली को इस्तीफा देना पड़ा। तब काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह इस प्रदर्शन का चेहरा बन गए।

ट्रंप की ईरान को चेतावनी, परमाणु ठिकानों पर हलचल हुई तो अमेरिका करेगा फिर बड़ा हमला

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के 'पिकाएक्स माउंटैन परमाणु स्थल पर होने वाली हर गतिविधि पर लगातार नजर रख रहा है। अगर वहां थोड़ी सी भी संदिग्ध हलचल दिखाई देती है, तो अमेरिका तुरंत कार्रवाई करेगा और जोरदार हमला करेगा। फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी स्पेस फोर्स की निगरानी प्रणाली इस परमाणु स्थल पर लगातार नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा”हमें जानकारी मिली कि वहां थोड़ी गतिविधि देखी गई है, इसलिए हम'पिकाएक्स' पर लगातार नजर रख रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका के पास इतनी आधुनिक निगरानी तकनीक है कि अंतरिक्ष से किसी व्यक्ति के नाम वाला बैज तक पढ़ा जा सकता है। जिन अन्य ईरानी परमाणु ठिकानों पर पहले अमेरिकी हमले हुए थे, वे भी लगातार निगरानी में हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ शब्दों में कहा, उन्होंने कोई भी कदम उठाया, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, तो हम तुरंत वही करेंगे जो जरूरी होगा। इंटरव्यू के दौरान फॉक्स न्यूज के पत्रकार ने सवाल किया कि कुछ सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी बंकर-बस्टर बम शायद'पिकाएक्स माउंटैन जैसे गहरे भूमिगत परमाणु केंद्र को पूरी तरह नष्ट नहीं कर पाएंगे। इस पर ट्रंप ने जवाब दिया”हमारे पास बेहद शक्तिशाली हथियार हैं। वे काफी गहराई तक हमला कर सकते हैं। हालांकि ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि



अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान वास्तव में पिकाएक्स स्थल पर कोई परमाणु गतिविधि चला रहा है या नहीं।उन्होंने बताया कि फिलहाल वहां बहुत कम गतिविधि दिखाई दे रही है, लेकिन अगर थोड़ी भी हलचल बढ़ी तो अमेरिका तुरंत हमला करेगा। इंटरव्यू में ट्रंप ने तेहरान के बाहर स्थित तालेघान परमाणु केंद्र का भी जिक्र किया, जिसे पहले अमेरिकी हमलों में निशाना बनाया गया था। इस दौरान पत्रकार ने उन्हें 22 जून और 7 जुलाई की सैटेलाइट तस्वीरें दिखाईं। नई तस्वीरों में ट्रकों, क्रेनों और ताजा डाले गए कंक्रीट जैसी गतिविधियां दिखाई दे रही थीं।ट्रंप ने कहा कि उन्हें जानकारी दी गई है कि ईरान ने इस केंद्र के प्रवेश द्वारों को कंक्रीट से बंद कर दिया है ताकि वहां पहुंचना मुश्किल हो जाए। उन्होंने कहा”यही बताया गया है कि उन्होंने प्रवेश द्वार बंद करने के लिए कंक्रीट

डाला है, ताकि हम अंदर न जा सकें। हालांकि ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका तालेघान केंद्र पर दोबारा हमला करने में बिल्कुल देर नहीं लगाएगा।ट्रंप ने दावा किया कि 28फरवरी को ऑपरेशन एंपिक फ्यूरी शुरू करने से पहले ईरान परमाणु हथियार बनाने के बेहद करीब पहुंच चुका था। अगर अमेरिका ने वही-2बॉम्बर विमानों से ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमला नहीं किया होता, तो ईरान दो सप्ताह के भीतर परमाणु हथियार हासिल कर सकता था।वहीं, ईरान लगातार यह कहता आया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लि ए है। हालांकि यूरेनियम संवर्धन (एनरिचमेंट) और अंतरराष्ट्रीय निगरानी पर अन्य सीमाओं को लेकर अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के साथ उसका विवाद लंबे समय से जारी है।

करनाल में 10वीं के स्टूडेंट की दिनदहाड़े हत्या, हनुमानजी का प्रसाद लेकर लौट रहा था प्रतीक

चंडीगढ़ (संवाददाता)

हरियाणा के करनाल के धौलगढ़ गांव में मंगलवार को दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले 16वर्षीय प्रतीक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। परिवार का इकलौता बेटा प्रतीक हनुमान मंदिर के लिए प्रसाद लेने गया था, लेकिन लौटते समय खेतों के पास पहले से घात लगाए बैठे हमलावरों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से किए गए हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तुरंत प्राइवेट अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घात लगाकर बैठे थे हमलावर
प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के अनुसार, चार से पांच युवक बिना नंबर की मोटरसाइकिलों पर पहले से मौके पर मौजूद थे। जैसे ही प्रतीक वहां पहुंचा, उसे रोक लिया गया और उसके सिर पर ताबड़तोड़ डंडों से हमला कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी हमलावर नहीं रुके। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने उसे पास के गड्ढे में फेंक दिया और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। पूरी घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी। पुराने विवाद की रंजिश या कुछ और
मृतक के दादा ने बताया कि करीब 3महीने पहले किसी लड़की को लेकर प्रतीक का कुछ युवकों के साथ विवाद हुआ था। इसके बाद फोन पर भी कहासुनी हुई थी। परिवार ने रिश्तेदारों के माध्यम से मामला शांत कराने की कोशिश भी की थी, लेकिन उन्हें अंदाजा नहीं था कि यह विवाद इतनी बड़ी वारदात में बदल जाएगा। परिजनों का कहना है कि हमलावर उसी स्कूल के छात्र बताए जा रहे हैं, जहां प्रतीक पढ़ता था। हालांकि हत्या की असली वजह क्या है, इसका खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

ग्रामीण ने सुनाई वारदात की आंखों देखी
गांव के निवासी धर्मपाल ने बताया कि उन्होंने कुछ युवकों को चेहरे



ढके हुए बिना नंबर की मोटरसाइकिलों के साथ खड़ा देखा था। जैसे ही प्रतीक वहां पहुंचा, आरोपियों ने उसे रोककर सिर पर डंडों से हमला कर दिया। घायल प्रतीक बार-बार पृछता रहा कि उसका कसूर क्या है, लेकिन हमलावरों ने उसकी एक नहीं सुनी और लगातार वार करते रहे। इसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस और एफएसएल टीम जुटी, कई टीमें आरोपियों की तलाश में घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस, एफएसएल टीम और सीआईए की कई टीमें मौके पर पहुंच गईं। घटनास्थल से

वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए और शव को पोस्टमार्टम के लिए करनाल भेज दिया गया। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में आरोपियों की तलाश कर रही है और हर पहलू से मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने क्या कहा
मामले में सदर थाना प्रभारी तरसेम चंद ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और FSL टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

गुरुग्राम में भीषण सड़क हादसा:गश्त के दौरान पानी के टैंकर से टकराई पुलिस की ERV, दो हेड कान्स्टेबल की मौत

चंडीगढ़ (संवाददाता)

हरियाणा के गुरुग्राम में सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य कॉन्स्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस समय



हुआ जब पुलिस की एक इमरजेंसी रिसपांस व्हीकल (ERV) गश्त पर थी और सड़क पर खड़े एक पानी के टैंकर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पुलिस की गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार रात करीब 11बजे ERV गाड़ी संख्या-254 फर्रुखनगर के खेड़ा खुर्मुपुर के पास नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान सड़क पर खड़े एक ट्रैक्टर से अटैच पानी के टैंकर में पुलिस की गाड़ी ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। एक्सीडेंट के बाद दोनों हेड कान्स्टेबल और कॉन्स्टेबल गाड़ी के भीतर ही बुरी तरह फंस गए। आसपास के स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी के हिस्सों को तोड़कर तीनों पुलिसकर्मियों को बाहर निकाला और तुरंत स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने दोनों हेड कान्स्टेबल को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान हेड कान्स्टेबल छोटेलाल और हेड कान्स्टेबल अनिल के रूप में हुई है। वहीं, हादसे में गंभीर रूप से घायल तीसरे साथी कान्स्टेबल धर्मेन्द्र को प्राथमिक उपचार देने के बाद तुरंत मेदांता अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां फिलहाल उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना का मुख्य कारण टैंकर चालक की लापरवाही थी। सड़क पर खड़े उस पानी के टैंकर पर न तो कोई लाइट चालू थी और न ही उस पर कोई रिफ्लेक्टर लगाया गया था। अधेरा होने की वजह से ERV चला रहे पुलिसकर्मी को सामने खड़ा टैंकर समय रहते दिखाई नहीं दिया और यह बड़ा हादसा हो गया।

बुलेट को अवैध तरीके से मोडिफाई कराने और नंबर प्लेट नहीं होने पर कटा 51हजार 500का वालान, पुलिस ने उदक-बैठक भी कराई



चंडीगढ़ (संवाददाता)

हरियाणा के करनाल में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वाले एक युवक को अपनी लापरवाही और अभद्र व्यवहार की बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। पुरानी सड़की मंडी के पास ट्रैफिक पुलिस ने मोडिफाइड बुलेट मोटरसाइकिल चला रहे युवक का 51हजार 500रुपये का चालान कर दिया। बाइक पर अवैध प्रेशर हॉर्न, पटाखे वाला साइलेंसर और नंबर प्लेट नहीं लगी थी। कार्रवाई के बाद युवक ने कैमरे के सामने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी और अन्य युवाओं से भी ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की।

जानकारी के अनुसार, ट्रैफिक पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि युवक की बुलेट मोटरसाइकिल में नियमों के विरुद्ध प्रेशर हॉर्न और पटाखे वाला साइलेंसर लगाया गया था। इतना ही नहीं, बाइक बिना नंबर प्लेट के सड़क पर दौड़ रही थी। यह सभी खामियां मोटर वाहन अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन हैं, जिसके चलते पुलिस ने नियमानुसार सख्त कार्रवाई करते हुए भारी-भरकम चालान किया।ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, जब युवक को जांच के लिए रोका गया तो उसने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार करना शुरू कर दिया। बाद में जब ट्रैफिक थाना प्रभारी मौके

पर पहुंचे तो उनके साथ भी बदसलुकी की गई। इसके बाद पुलिस ने सभी उल्लंघनों को शामिल करते हुए कुल 51 हजार 500 रुपये का चालान काटा और कानून का सख्ती से पालन कराया। आरोपी राजेंद्र ने कैमरे के सामने अपनी गलती स्वीकार की। राजेंद्र ने कहा कि ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करना गलत है और किसी भी वाहन में अवैध मोडिफिकेशन नहीं करवाना चाहिए। विशेष रूप से प्रेशर हॉर्न और पटाखे वा ले साइलेंसर लगाने से बचना चाहिए। साथ ही, उसने युवाओं से पुलिस-कानून का सम्मान करने और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की। वहीं, ट्रैफिक पुलिसकर्मी दुष्यंत रमन ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस का उद्देश्य लोगों को परेशान करना नहीं , बल्कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि वाहन चालक नियमों का पालन करें , अपने वाहनों में अवैध बदलाव न करवाएं और पुलिस के साथ सम्मानजनक व्यवहार रखें। सड़क पर जिम्मेदारी और अनुशासन ही सुरक्षित यात्रा की सबसे बड़ी गारंटी है। हाल ही में हरियाणा के गुरुग्राम में पुलिस ने बिना हेलमेट के आ रहे एक मोटरसाइकिल सवार को रोका तो पाया कि उसकी बाइक के 107चालान पेंडिंग थे। इन सभी चालान की कुल कीमत करीब 2लाख 36 हजार रुपये पहुंच चुकी थी।

हरियाणा में बदला वोटर लिस्ट रिवीजन का शेडयूल, जांनें कब जारी होगी फाइनल लिस्ट

चंडीगढ़ (संवाददाता)

भारत निर्वाचन आयोग ने हरियाणा में चल रहे विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण(SIR) का नया कार्यक्रम जारी किया है। यह बदलाव राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुरोध पर किया गया है। इस पुनरीक्षण के लिए 1 जुलाई 2026 को अर्हता



तिथि माना गया है।

नए कार्यक्रम के अनुसार, बूथ लेवल अधिकारी(BLO) 15जून से 24 जुलाई 2026 तक घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। इसी दौरान मतदान केंद्रों का युक्तिकरण और जरूरत के अनुसार पुनर्व्यवस्थीकरण का काम भी 24जुलाई तक पूरा किया जाएगा।

3अक्टूबर को जारी होगी अंतिम सूची
निर्वाचन आयोग के मुताबिक, 31जुलाई 2026को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा। इसके बाद 31जुलाई से 30 अगस्त 2026तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने या किसी गलती को ठीक कराने के लिए दावे और आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी।

इन दावों और आपत्तियों की सुनवाई और निस्तारण 31जुलाई से 28सितंबर 2026तक किया जाएगा। इसके बाद 3अक्टूबर 2026 को हरियाणा की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी।

आयोग ने सभी संबंधित अधिकारियों को संशोधित कार्यक्रम का पालन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि इस जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और सभी राजनीतिक दलों को भी लिखित रूप में नया कार्यक्रम उपलब्ध कराया जाए।

दिल्ली में 93%वोटर्स तक पहुंचें फॉर्म

बीते दिन चुनाव आयोग ने दिल्ली में जारी SIR अभियान को लेकर अपडेट दिया था। चुनाव आयोग के मुताबिक, दिल्ली में करीब 93%वोटर्स तक पहचान फॉर्म पहुंचाए जा चुके हैं। दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी ने 12 जुलाई को रात 8बजे तक के आंकड़े जारी किए।

हरियाणा संकट के दौर से गुजर रहा है, प्रधानमंत्री प्रदेश के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा करें:राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़ (संवाददाता)

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने आज चरखी दादरी जिला युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल ल धनखड़ के पिता स्वर्गीय सत्यवान धनखड़ के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया था। उन्होंने चरखी दादरी स्थित उनके निवास पर पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि आज हरियाणा अनेक गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। प्रदेश का किसान, मजदूर, कर्मचारी, छात्र, युवा तथा आम नागरिक विभिन्न समस्याओं से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री के प्रस्तावित हरि याणा दोर के दौरान प्रदेश की वास्तविक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए किसानों, मजदूरों, कर्मचारियों, युवाओं तथा अन्य सभी वर्गों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा की जानी चाहिए, ताकि प्रदेश के लोगों को वास्तविक राहत मिल सके। उन्होंने प्रदेश की



कानून-व्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि जब चुने हुए जनप्रतिनिधि स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं, तब आम नागरिक की सुरक्षा का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा सहित पूरे देश में शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट का सामना कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 12वर्षों के दौरान लगभग 100 बार विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे

करोड़ों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं में अव्यवस्था और अनियमितताओं के कारण देशभर में 21 प्रतिभाशाली छात्रों ने आत्महत्या की, जिनमें हरियाणा की एक बेटी भी शामिल है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को इस गंभीर विषय पर तत्काल प्रभाव से ठोस कदम उठाने चाहिए तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।उन्होंने राम मंदिर में हुई कथित चोरी के मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकरण में बड़े जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि वर्तमान ट्रस्ट को तत्काल भंग कर संत-महात्माओं का नया ट्रस्ट गठित किया जाए तब पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के किसी वर्तमान(सिटिंग) न्यायाधीश की निगरानी में कराई जाए। इस अवसर पर चरखी दादरी जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुशील धानक, पूर्व विधायक धर्मपाल सांगवान, अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के कन्वीनर राजू मान , जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव रोहतास खटीक, कोषाध्यक्ष सुनील डूरेजा, सचिव वीरेंद्र डिल्लू, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी

जन शिकायतों का सम बद्ध समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता:आरती सिंह राव

चंडीगढ़ (संवाददाता)

हाईडेशन विद्युत लाइनें 15 दिनों में हों शिफ्ट , कार्य में देरी बर्दाश्त नहीं चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार नागरिकों को पारदर्शी , जवाबदेह और संवेदनशील प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परिवादों का समयबद्ध एवं प्राथमिकता के आधार पर निपटान सुनिश्चित किया जाए और समाधान इस प्रकार हो कि परिवादी को पूरी संतुष्टि मिले। आरती सिंह राव आज फरीदाबाद में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 15परिवाद प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 12 परिवादों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि 3मामलों को अगली बैठक तक लंबित रखते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने मामलों पर विस्तृत रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। ग्रामीण क्षेत्र में हाईडेशन विद्युत लाइनों से



दुर्घटनाओं की आशंका संबंधी शिकायत पर दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधिकारियों ने बताया कि आवश्यक राशि जमा होने के बाद कार्य प्रक्रिया शुरू कर दी गई है तथा आगामी 15 दिनों के भीतर लाइन शिफ्टिंग का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इस पर मंत्री आरती सिंह राव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो और निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण किया जाए।स्वास्थ्य मंत्री ने सभी विभागाध्यक्षों

को निर्देश दिए कि प्रत्येक शि कायत का केवल औपचारिक निस्तारण न किया जाए, बल्कि मौके पर जाकर स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। सभी विभाग समयबद्ध कार्रवाई करते हुए अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करें तथा जनहित से जुड़े मामलों में पूर्ण सं वेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें।

भारतीय रियलएस्टेट सेक्टर में निजी इक्विटी निवेश बढ़ा जनवरी-जून में आए 3.2 अरब डालर

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर में जनवरी-जून अवधि यानी 2026 की पहली छमाही में 3.2 अरब डॉलर का निजी इक्विटी निवेश आया है। इसमें सालाना आधार पर 33 प्रतिशत की बढ़त देखी गई है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। ग्लोबल रियल एस्टेट कंसल्टिंग फर्म पैबिल्स इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की दूसरी तिमाही में निवेश का प्रवाह 2अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 25प्रतिशत अधिक है। प्राइवेट इक्विटी इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टमेंट में प्राइवेट रूट से किए गए इक्विटी डील, एआईएफ और एनसीडी जारी करने के जरिए स्ट्रक्चर्ड डेट डील शामिल हैं, लेकिन इसमें फंड जुटाने में क्यूआईपी, पब्लिक मार्केट डील और प्लेटफॉर्म बनाने के जरिए किए गए साधारण डेट डील शामिल नहीं हैं। 2026 की दूसरी तिमाही में हुए कुल निवेश में डेटा सेंटर्स का हिस्सा 38 प्रतिशत रहा, जिससे ऑफिस-आधारित निवेश के ट्रेड में बदलाव दि खा।इसके बाद ऑफिस सेगमेंट का 30प्रतिशत हिस्सा रहा, जबकि रेजिडेंशियल सेगमेंट 16प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर रहा।कुल मिलाकर, 2026 की पहली छमाही में ऑफिस सेगमेंट सबसे आगे रहा, जिसमें इक्विटी निवेश का 34 प्रतिशत हिस्सा शामिल था। निवेशकों ने हॉस्पिटैलिटी(8प्रतिशत)और स्टूडेंट हाउसिंग या को-लिविंग(3प्रतिशत) जैसे क्षेत्रों में भी निवेश किया।

13जुलाई तक डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 16-4%बढ़कर 6-51लाख करोड़ पहुंचा भारत की अर्थव्यवस्था को मिला बड़ा सहारा



भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़ी अच्छी खबर सामने आई है। चालू वित्त वर्ष में 13जुलाई तक देश का नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 16.4फीसदी बढ़कर 6.51लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। यह आंकड़ा बताता है कि देश में आर्थिक गतिविधियां तेज हो रही हैं और कंपनियों के साथ-साथ आम करदाताओं की ओर से भी टैक्स भुगतान में बढ़ोतरी हुई है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इससे सरकार को विकास परियोजनाओं पर खर्च करने में और मजबूती मिलेगी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 13जुलाई तक ग्रांस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 16.11 फीसदी बढ़कर 7.74लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं इस अवधि में सरकार ने 1.22 लाख करोड़ रुपये के टैक्स रिफंड भी जारी किए, जो पिछले साल की तुलना में 14.57 फीसदी अधिक है। रिफंड के बाद सरकार के पास बचा नेट टैक्स कलेक्शन 6.51 लाख करोड़ रुपये रहा। कॉर्पोरेट और नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स से हुई ज्यादा कमाई इस बार टैक्स कलेक्शन में सबसे बड़ा योगदान कॉर्पोरेट और नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स का रहा। रिफंड के बाद कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन बढ़कर

2.40 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 1.97 लाख करोड़ रुपये था। वहीं, नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन भी बढ़कर 3.85 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जो पिछले साल 3.44 लाख करोड़ रुपये था। इसमें व्यक्तिगत करदाता, हिंदू अविभाजित परिवार (HUF) फर्म, एसोसिएशन और अन्य संस्थाओं द्वारा जमा किया गया टैक्स शामिल है। SIT कलेक्शन में भी बड़ी छलांग शेयर बाजार में बढ़ती गतिविधियों का असर सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स(STT) पर भी देखने को मिला। 13 जुलाई तक STT से सरकार को 26.428.96 करोड़ रुपये की आय हुई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 17,875.88करोड़ रुपये थी। इससे साफ है कि बाजार में निवेश और ट्रेडिंग एक्टिविटी मजबूत बनी हुई हैं। डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में यह मजबूत बढ़ोतरी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत माना जा रहा है। बढ़ता टैक्स कलेक्शन इस बात का संकेत है कि कारोबार, निवेश और आय में सुधार हो रहा है। इससे सरकार की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी और बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा अन्य विकास योजनाओं पर ज्यादा निवेश करने में मदद मिलेगी।

भारत और स्पेन के बीच बढ़ेगी औद्योगिक सहयोग, सप्लाई चेन को मजबूत करने पर चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्पेन के उद्योग और पर्यटन मंत्री जॉर्जी हेरेउ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने व्यापार, निवेश, मैनुफैक्चरिंग,

मजबूत करने, मजबूत सप्लाई चेन बनाने और आर्थिक सहयोग को गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि भारत और स्पेन को अगले 10सालों में अपने



इनोवेशन , पर्यटन और भविष्य के लिए तैयार अन्य क्षेत्रों में भारत-स्पेन सहयोग को मजबूत करने के नए अवसरों पर चर्चा की। अर्थव्यवस्था के यह मुख्य क्षेत्र विकास, प्रतिस्पर्धा और रोजगार पैदा करने में अहम भूमिका निभाते हैं। गोयल ने कहा, हमने भारत-ईयू एफटीए पर भी चर्चा की और दोनों देशों के आपसी फायदे के लिए औद्योगिक साझेदारी को

द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को 10 गुना बढ़ाने पर विचार करना चाहिए। गोयल ने कहा कि एडवांस्ड मैनुफैक्चरिंग, मोबिलिटी, रेलवे, सस्टेनेबिलिटी, इनोवेशन, कला, विज्ञान और संस्कृति कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें भारत और स्पेन के बीच बेहतर सहयोग हो सकता है। गोयल ने कहा, इंडिया-स्पेन विजनेस फोरम में मुख्य भाषण देते हुए मुझे खुशी हो रही



रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की पहली छमाही में पीई निवेश में घरेलू पूंजी का हिस्सा 51प्रतिशत था। पूंजी को कई तरह के एसेट क्लास में लगाया गया, जिसमें बैकल्पिक सेगमेंट भी शामिल थे, लेकिन ऑफिस सेगमेंट पहली पसंद बना रहा। घरेलू निवेश का 68प्रतिशत हिस्सा इसी में गया, जो मुख्य रूप से भारत के टियर-1 शहरों में केंद्रित था ।बाकी 49 प्रतिशत निवेश विदेशी निवेशकों का था। विदेशी पूंजी का 69 प्रतिशत हिस्सा यूएसए और कनाडा से आया, जो मुख्य रूप से डेटा

सेंटरस और हॉस्पिटैलिटी सेगमेंट में लगाया गया। पैबिल्स इंडिया के कैपिटल मार्केट सर्विसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर समीत भाटिया ने कहा, 2026 की पहली छमाही में पीई निवेश से भारत के रियल एस्टेट मार्केट में निवेशकों का बढ़ता भरोसा दिखता है।जु हॉस्पिटैलिटी, हेल्थकेयर और स्टूडेंट हाउसिंग/को-लिविंग में लगातार निवेश ने पता चलता है कि निवेशक अब परिपक्व हो रहे हैं और भारत की डिजिटल और बैकल्पिक रियल एस्टेट ग्रोथ स्टोरी पर दांव लगा रहे हैं।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सोने-चांदी में बड़ी गिरावट

मुंबई (एजेंसी)

वैश्विक बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता और डॉलर की मजबूती के बीच सोमवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में



दोनों कीमती धातुओं पर बिकवाली का दबाव देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 5 अगस्त 2026 डिलीवरी वाला सोना पिछली क्लोजिंग 1,43,478रुपये प्रति 10 ग्राम के मुकाबले गिरावट के साथ 1,42,633 रुपये पर खुला। सुबह के कारोबार में यह करीब 1,42,064रुपये प्रति 10ग्राम तक फिसल गया। कारोबार के दौरान सोने ने 1,41,557 रुपये का निचला और 1,43,478रुपये का ऊपरी स्तर छुआ। वहीं , 4सितंबर 2026डिलीवरी वाली चांदी भी दबाव में रही। यह पिछली क्लोजिंग 2,22,664रुपये प्रति किलोग्राम के मुकाबले गिरकर 2,18,648रुपये पर खुली और बाद में 2,18,476रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास कारोबार करती दिखाई दी। सत्र के दौरान चांदी का निचला स्तर 2,17,277 रुपये प्रति किलोग्राम रहा।अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं में कमजोरी का रुख बना रहा। कॉमेक्स पर सोने और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे घरेलू बाजार की धारणा भी प्रभावित हुई।बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, डॉलर इंडेक्स में मजबूती और वैश्विक निवेशकों की बदली रणनीति के कारण सोने-चांदी में मुनाफावसूली देखने को मिली। मजबूत डॉलर आमतौर पर सोने जैसी धातुओं को अन्य मुद्राओं में महंगा बनाता है, जिससे उनकी मांग पर असर पड़ता है।विश्लेषकों का कहना है कि मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ा दी है। हालांकि, ऐसे घटनाक्रमों का सोने और चांदी की कीमतों पर प्रभाव कई कारकों—जैसे डॉलर की चाल, वॉन्ड यील्ड और निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता—पर निर्भर करता है। इसलिए आने वाले दिनों में निवेशकों की नजर वैश्विक घटनाक्रम और प्रमुख आर्थिक संकेतकों पर बनी रहेगी।

मध्य पूर्व संकट के बीच भारत की ईंधन सुरक्षा मजबूत, आपूर्ति संकट से निपटने को तैयार भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)

मध्य पूर्व में ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध फिर से शुरू होने के बाद भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पहले के मुकाबले अच्छी स्थिति में है। यह जानकारी एक्सपर्ट्स की ओर से सोमवार को दी गई।

एक्सपर्ट्स ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है, जब अमेरिका की ओर से हमले करने के बाद ईरान ने 11जुलाई को होर्मुज स्ट्रेट को फिर से बंद करने का ऐलान किया है। ईरान के ऐलान के बाद रविवार को होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही करीब बंद रही। एक रिफाइनरी से जुड़े अधिकारी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट के फिर से बंद होने के साथ सितंबर और अक्टूबर के लिए उत्पादन लागत बढ़ सकती है। हालांकि, इस बार हम पहले के मुकाबले अच्छी स्थिति में है, क्योंकि देश ने अगस्त तक के कच्चे तेल और एलपीजी आयात को सुरक्षित कर लिया है। हालांकि, एनएनजी में कुछ स्थिक्लों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन वह प्रबंधनीय है।

मध्य पूर्व में तनाव बढ़ते के बाद कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी तेजी देखने को मिली है। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम करीब 5 प्रतिशत बढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है।प डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम भी 5 प्रतिशत बढ़कर 75डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ईरान-अमेरिका तनाव



बढ़ते से जोखिम में इजाफे के चलते कच्चे तेल की कीमत 80-85डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है, लेकिन इस बार आपूर्ति को लेकर चिंताएं थोड़ी कम है, क्योंकि गैर-ओपेक देश अपना उत्पादन बढ़ा चुके हैं।

वहीं , केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 2 जुलाई को कहा था कि भारत के पास 60दिनों के लिए कच्चा तेल, 60 दिनों के लिए एनएनजी और 45 दिनों के लिए एलपीजी का स्टॉक मौजूद है। होर्मुज स्ट्रेट के फिर से खुलने और शांति वार्ता शुरू होने के बाद, भारत ने औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए एलपीजीऔर प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पर लगी पाबंदियों में भी ढील दी थी।

पोल्सी उद्योग में तेजी के संकेत, वित्त वर्ष 2027 में आय में 7 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान



नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत के पोल्सी सेक्टर की आय वित्त वर्ष 27में 6-7प्रतिशत बढ़ते की उम्मीद है। इसके साथ, आय में पिछले वर्ष के मुकाबले 50से 100आधार अंक की बढ़ोतरी की उम्मीद है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 26के दौरान पोल्सी इंडस्ट्री के परिचालन प्रदर्शन में स्थिरता देखी गई। इसकी वजह उत्पादन में अच्छी बढ़ोतरी, रिटेल, इंस्टीट्यूशनल और फूड-सर्विस चैनलों में मजबूत मांग के साथ आपूर्ति-मांग की बेहतर स्थिति थी। रिपोर्ट में कहा गया है, प्रोटीन की बढ़ती खपत, शहरीकरण, लोगों की खरीदने की क्षमता में सुधार और खान-पान की बदलती आदतों की वजह से भारत अंडे और पोल्सी मीट के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक बना हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है, फीड कन्वर्जन रेश्यो (एफसीआर) को बेहतर बनाने, फार्म मैनेजमेंट के अच्छे तरीकों और कामकाज की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देने से संगठित पोल्सी इंडस्ट्री में उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी ने अपने अनुमान में कहा कि प्रोटीन की बढ़ती खपत, शहरीकरण और संगठित

खिलाड़ियों द्वारा क्षमता बढ़ाने की वजह से वित्त वर्ष 27 में अंडे और मीट के उत्पादन में अच्छी रफ्तार बनी रहेगी। संगठित रिटेल, क्लिक-सर्विस रेस्टोरेंट(क्यूएसआर) कोल्ड-चेन इंफ्रास्ट्रक्चर और निर्यात के मौकों के बढ़ते से प्रोसेस्ड पोल्सी सेक्टर में बढ़ोतरी हो रही है। इससे लंबे समय में ग्रोथ और वैल्यू एडिशन के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, एडवांस्ड ब्रीडिंग, सटीक न्यूट्रिशन , ऑटोमेशन और बेहतर फार्म मैनेजमेंट को अपनाने से उत्पादकता और फीड कन्वर्जन रेश्यो में सुधार होने की उम्मीद है।इस इंडस्ट्री में लगभग 60-65 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली संगठित कंपनियों ने इंडीग्रेटेड ऑपरेशन, बेहतर फीड खरीद और मजबूत प्राइसिंग अनुशासन के जरिए वित्त वर्ष 26में मुनाफे में जबरदस्त सुधार देखा।वित्त वर्ष 26के दौरान, घरेलू उत्पादन बढ़ते और सप्लाई की स्थिति में सुधार के कारण मक्के की कीमतों में भारी गिरावट आई। मक्के की कीमतों में इस गिरावट से मार्जिन में काफी राहत मिली, खासकर उन इंडीग्रेटेड कंपनियों को जिनके पास अपने फीड मिल और खरीद के कुशल तरीके थे। भारत अंडे का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और ब्रॉयलर मीट का प्रमुख उत्पादक देश है।

भारतीय रेल ने किए कई बड़े और अहम स्ट्रक्चरल रिफार्म, इंडस्ट्री अब हिसाब से डिजाइन कर सकेंगी वैगन

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय रेल में अलग-अलग चरणों में कई अहम और बड़े सुधार(Reform) किए जा रहे हैं। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को रेलवे में किए जा रहे इन सुधारों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। आज उन्होंने रेलवे में किए गए 8नए सुधारों की जानकारी दी। इसके साथ ही, भारतीय रेल में अब तक कुल 17 अहम और बड़े सुधार किए जा चुके हैं। बताते चलें कि रेल मंत्रालय ने इस साल कुल 52 सुधारों का लक्ष्य रखा है। फ्लाई ऐश ट्रांसपोर्टेशन रेलवे ने रिफॉर्म नंबर- 10के तहत पावर प्लांट्स से उत्पन्न होने वाले फ्लाई ऐश के ट्रांसपोर्टेशन को सुरक्षित बनाया गया है। अब इसे खुले हुए वैगन में ट्रांसपोर्ट करने के बजाय कंटेनरों में ट्रांसपोर्ट किया जाएगा। कंटेनर सेक्टर 11वें रिफॉर्म के तहत सामानों के सुरक्षित ट्रांसपोर्टेशन के लिए कंटेनरों के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल के लिए बदलाव किया गया है। कंटेनर ट्रांसपोर्टेशन का 4 कैटेगरी में इस्तेमाल किया जाता है। इसके लिए लाइसेंस व्यवस्था को बहुत आसान बना दिया गया है। अब यूनिफाइड लाइसेंस सिस्टम शुरू किया गया है, ताकि बड़ी संख्या में लोग कंटेनर बिजनेस में आएं। फर्टिलाइजर ट्रांसपोर्टेशन 12वें रिफॉर्म में किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए ट्रेनों से होने वाले



फर्टिलाइजर के ट्रांसपोर्टेशन में सुधार किया गया है। रेलवे अब फर्टिलाइजर ट्रांसपोर्टेशन में बदलाव करके नया सिस्टम लेकर आया है, जिससे मूवमेंट को तेज किया जा सके। इस सुधार के तहत अब फर्टिलाइजर के ट्रांसपोर्टेशन को अब कंटेनर में शिफ्ट किया गया है। स्क्वल सर्टिफिकेशन फ्रेमवर्क रेलवे ने रिफॉर्म नंबर- 13में इंफ्रा सेक्टर में काम करने वाले लोगों के लिए स्क्वल का सर्टिफिकेशन और स्क्वल का टेस्ट, दोनों जरूरी कर दिया है। अब सिर्फ कुशल लोगों को ही रेल इंफ्रा के लिए काम दिया जाएगा।

कंस्ट्रक्शन रिफॉर्म 14वें रिफॉर्म के तहत, भारतीय रेल कंस्ट्रक्शन की क्वालिटी के लिए कॉन्ट्रैक्टर के कामों की जांच होगी। कॉन्ट्रैक्टरों से परफॉरमेंस सिक्यूरिटी के रूप में 10फीसदी राशि ली जाएगी। स्ट्रॉंग एलिजिबिलिटी के लिए पेंडिंग लिटिगेशन नेटवर्क के 50फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। ऑल रिस्क इंश्योरेंस पॉलिसी सिस्टम लागू होगा। रेल भूमि पोर्टल लॉन्च किया जाएगा। रेलवे ने रिफॉर्म नंबर 15में अब अलग-अलग इंडस्ट्री भी आसान इस्तेमाल के लिए वैगन को डिजाइन कर सकेगी।

राम मंदिर में ऐसी व्यवस्था हो, ताकि आइंदा कोई चंपत राय न बन सके

राम मंदिर के मामले में राष्ट्रीय स्व यंसेवक संघ का पहला बयान आया। संघ ने स्पष्ट शब्दों में कहा , कोई कितना भी बड़ा हो, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए, ऐसा पाप करने वालों को सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भविष्य में कोई इस तरह का पाप न कर सके , इसके लिए सरकार और ट्रस्ट को एक्शन लेना चाहिए। सरकार्यवाह ने कहा”पीड़ियों के संघर्ष और करोड़ों रामभक्तों के समर्पण, त्याग एवं बलिदान के कारण संपूर्ण हिन्दू समाज के लिए रामलला मंदिर श्रद्धा, आस्था और भक्ति का केन्द्र बना। मंदिर में रखे हुए दान पात्रों में जमा राशि की चोरी की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से समूचे समाज और राम भक्तों की भावना एवं श्रद्धा को आघात पहुँचा है तथा इस घटना से हम सभी आहत हैं।

होसबाले ने कहा”जौंच में जो भी दोषी पाए जाएँगे उन्हें कठोर दंड हो, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने हिन्दू समाज से अपील की कि वह "इस कठिन क्षण में आवश्यक धैर्य और संयम का परिचय दें तथा इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का लाभ उठाकर हिन्दू विरोधी, राष्ट्र विरोधी शक्तियों के हिंदू धर्म एवं समाज को बदनाम करने के षड़यंत्रों को विफल करे।"RSS, विश्व हिंदू परिषद और बाबा बागेश्वर जैसे साधु संत सब इस बात पर सहमत हैं कि राम मंदिर के दान पात्र से चोरी करने वालों ने महापाप किया है, उनमें से किसी को भी बख्शा ना जाए। कौन छोटा है, कौन बड़ा, इसकी परवाह न की जाए। दूसरी बात जिस पर संघ, परिषद और संत समाज एकमत है, वो ये कि कुछ लोग इस मामले का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे लोगों के मंसूबों के बारे में हिंदू समाज को सावधान किया जाए। मुझे लगता है कि राम मंदिर पर राजनीति कोई पहली बार तो नहीं हो रही। इस पर सियासत तो होगी। कुछ लोग इसका फायदा भी उठाएंगे, पर इस पर ध्यान देने की बजाय RSS, VHP और संत समाज को इस बात पर फोकस करना चाहिए कि राम मंदिर में दान के हिसाब-किताब के लिए एक foolproof व्यवस्था बनायी जाय, इसमें

professionals की मदद ली जाए, व्यवस्था scientific और perfect हो ताकि भविष्य में किसी को ट्रस्ट पर या राम मंदिर पर कब्जा जमाने का मौका ना मिल सके।

एथेनॉल सही या गलत: सरकार सारी शंकाओं को दूर करे
क्या एथेनॉल युक्त पेट्रोल से गा डियों का इंजन खराब हो रहा है क्या एथेनॉल से माइलेज में कमी आ रही है पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी का कहना है कि एथेनॉल से माइलेज में कमी की बात पूरी तरह ठीक नहीं हैं क्योंकि माइलेज में कमी के बहुत से कारण होते हैं। इंजन की पावर और acceleration में भी इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। पुरी ने कहा कि सारी दुनिया fossil fuel से क्लीन फ्यूल की तरफ बढ़ रही है, ऐसे में पेट्रोल में एथेनॉल blending का फैसला अच्छा है। पुरी ने यहां तक कहा कि एथेनॉल युक्त पेट्रोल का इस्तेमाल अब रेसिंग कारों में भी हो रहा है, इससे उनका acceleration बढ़ता है। पेट्रोलियम मंत्री हों या भारत पेट्रोलियम कंपनी के अफसर, सभी ने ये माना कि एथेनॉल से माइलेज में कमी आती है, लेकिन कितनी कमी आती है, इसको लेकर सबके दावे अलग अलग हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि पेट्रोल की तुलना में एथेनॉल की energy density करीब 33परसेंट कम होती है। पावर जेनरेट करने के लिए एथेनॉल में ज़्यादा फ्यूल जलता है, इससे माइलेज कम हो जाता है। अगर आपकी गाडी 2024 से पहले की है तो फिर माइलेज कम मिलेगा 2024 के बाद की गाडियां E10और E20compliant हैं। इनके इंजन मैटेरियल और दूसरे पार्ट्स को इस तरह ट्यून किया गया है जिससे एथेनॉल से गाडी के इंजन को कोई नुकसान न हो।

ये सही है कि पेट्रोल पर निर्भरता कम करनी है। इसमें हमारी काफी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। ये भी वैज्ञानिक तौर पर साबित किया गया है कि कि इथेनॉल इसका एक अच्छा विकल्प हो सकता है लेकिन असली बात तो तब पता चलती है जब विकल्प का इस्तेमाल होता है। अगर पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने से माइलेज में कमी आएगी, गाडियां खराब होने लगेंगी, पुरानी गाडियां बैठ जाएंगी तो लोग इथेनॉल युक्त पेट्रोल पर भरोसा

सरकार ने शुक्रवार को कई ऐसे ऐप्स को तुरंत ब्लॉक करने के निर्देश दिए, जिनकी मदद से ई-रिक्शा की बैटरी को दूर से ही स्विच ऑफ किया जा रहा था। इस तरह की हजारों शिकायतें दिल्ली, मुंबई, भोपाल और उज्जैन जैसे कई शहरों से आई थी। सरकार ने जांच की और फिर एनड्रॉयड और IOS एप स्टोर से BAT-BMS, Lossigy और Epoch-i-ion जैसे ऐप्स को तुरंत हटाने के आदेश जारी कर दिए। इन सारे ऐप्स का इस्तेमाल बैटरी व्हीकल्स को रिमोट के जरिए बंद करने के लिए हो रहा था। खासतौर पर ई-रिक्शा चलाने वालों को निशाना बनाया जा रहा था।

कैसे करेंगे इसीलिए बड़ी-बड़ी बातें कहने की बजाय practical life में ये सवित करके दिखाना चाहए कि इथेनॉल से गाडियों को कोई नुकसान नहीं होता। लोग सहयोग करने को तैयार हैं, लेकिन अगर fuel pump और engine के parts को नुकसान होगा तो फिर कोई इथेनॉल का इस्तेमाल क्यों करेगा ई-रिक्शा रोकने वाले apps पर बैन: एक सही कदम सरकार ने शुक्रवार को कई ऐसे ऐप्स को तुरंत ब्लॉक करने के निर्देश दिए, जिनकी मदद से ई-रिक्शा की बैटरी को दूर से ही स्विच ऑफ किया जा रहा था। इस तरह की हजारों शिकायतें दिल्ली, मुंबई, भोपाल और उज्जैन जैसे कई शहरों से आई थी। सरकार ने जांच की और फिर एनड्रॉयड और IOS एप स्टोर से BAT-BMS, Lossigy और Epoch-in-ion जैसे ऐप्स को तुरंत हटाने के आदेश जारी कर दिए। इन सारे ऐप्स का इस्तेमाल बैटरी व्हीकल्स को रिमोट के जरिए बंद करने के लिए हो रहा था। खासतौर पर ई-रिक्शा चलाने वालों को निशाना बनाया जा

रहा था।एक्सपर्ट्स बताते हैं कि Lithium बैटरी का कंट्रोल सिस्टम BMS यानि Battery Management System होता है। बैटरी की health, voltage, temperature की निगरानी करने के मकसद से कुछ App develop किए गए हैं। जब लोग गाडियां खरीदते हैं तो battery operated गाडियों के लिए कंपनियां इन Apps को promote करती हैं। लेकिन अगर battery को password से protect न किया जाए तो शरारत करने वाले इन Apps के जरिए battery को control कर लेते हैं।

अब सवाल है कि इस तरह की हरकतें क्यों की जाती हैं पुलिस ने बताया कि कुछ मैकेनिक ई-रिक्शे वालों से पैसा ऐंठने के लिए गड़बड़ी करते हैं और कुछ ई-रिक्शे वाले भी सवारियां छीनने के लिए दूसरे E-rickshaw को block करते हैं। असल में जिन Apps का गलत इस्तेमाल हो रहा है, उन्हीं को block किया गया है।

क्या चंपत राय को उनका अहंकार ले डूबा

राम मंदिर ट्रस्ट से चंपत राय और अनिल मिश्रा की छुट्टी हो गई। चंपत राय की जगह कृष्ण मोहन को अभी ट्रस्ट के कार्यकारी महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब ट्रस्ट में कुल तीन पद खाली हैं। नए ट्रस्टियों के नामों पर विचार के लिए 22जुलाई को ट्रस्ट की फिर से बैठक होगी। राम मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्था को देखने के लिए CEO की नियुक्ति होगी। CEO कौन होगा, इस पर विचार के लिए रिटायर्ड जज प्रमोद कोहली की अध्यक्षता में तीन सदस्यों की एक समिति बनी है, जिसकी रिपोर्ट पर 22जुलाई को विचार होगा।

ट्रस्ट की बैठक के बाद कोप्राध्यक्ष गोविन्द गिरि जी ने कहा कि चंपत राय की निष्ठा पर किसी को शंका नहीं है, लेकिन उन्होंने गलत लोगों पर भरोसा किया, यह उनकी बड़ी गलती थी। गोविन्द गिरि ने कहा कि रामलला को जो सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती चीजें अर्पित की गई थी, वे सब सुरक्षित हैं। ऐसी 2800मूल्यवान

वस्तुओं की सूची तैयार है, कोई भी इन्हें आकर देख सकता है। स्वामी गोविंद देव गिरि ने कहा कि चढ़ावे की चोरी ट्रस्ट के सदस्यों की लापरवाही से हुई लेकिन इसके लिए स्टेट बैंक भी बराबर का जिम्मेदार है। इसलिए FIR भी बैंक को ही करानी चाहिए थी, लेकिन SBI अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहा। गोविंद देव गिरि ने सोने की रामचरित मानस मीडिया को दिखाया, जिसे पूर्व केंद्रीय गृह सचिव एस. लक्ष्मीनारायणन ने रामलला को अर्पित की थी। इसे वापस गर्भगृह में रख दिया गया है। गोविन्द देव गिरि ने कहा कि चढ़ावे में चोरी की खबरों के बाद कुछ हिन्दू विरोधी लोग माहौल का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं, हिन्दुओं को भड़काने की कोशिशें हो रही हैं, रामभक्तों को ऐसे देश विरोधी लोगों के बहकावे में नहीं आना चाहिए। चंपत राय अब कभी राम मंदिर ट्रस्ट में दिखाई नहीं देंगे क्योंकि उन्होंने पाप करने वालों पर भरोसा किया और सही सलाह देने वालों का अपमान

किया।चंपत राय ने लापरवाही की और राम मंदिर को अपनी रियासत की तरह चलाया। अहंकार ने उनकी आंखों पर पट्टी बांध दी थी, उनको न कुछ दिखाई देता था, न सुनाई देता था। चंपत राय की निष्ठा में कमी नहीं थी, नीयत भी साफ थी, लेकिन निगरानी और नीति में भारी चूक हुई। चंपत राय ने न RSS की सुनी, न Trust के सदस्यों को कोई भाव दिया। बार बार कहने के बाद भी CEO नियुक्त नहीं किया, अपने चमचों की फौज खड़ी कर दी और उनको दान पात्र लूटने दिया।

जब लूटने वाले पकड़े गए, तो उन्हें पुलिस को सौंपने की बजाय उन पर दया दिखाने लगे। चंपत राय का यही व्यवहार उन्हें ले डूबा। अब राम मंदिर का प्रबंध करने के लिए professionals को नियुक्त किया जाना चाहिए, नज़र रखने के लिए एक vigilance department होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई ऐसा पाप करने की हिम्मत न करे।(रजत शर्मा)(

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी: राष्ट्र प्रथम का अमर संदेश

आज, 6जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लि ए बहुत ही विशेष है। आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म-जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं।

श्यामा प्रसाद जी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में हो ती थी । ले किन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद जी ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस सफर में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया। लेकिन इन दुखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने हीसले को कमजोर नहीं पड़ते दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भा रत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मु द्दे पर भी संघर्ष किया। जेल और नजरबंदी भी उन्हें रास्ते से डिगा नहीं सकी। जब नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ, तब वे उन अनगिनत लोगों से बहुत दूर थे, जिनके लिए वे जीवभर संघर्ष करते रहे। इतिहास में कुछ ऐसे पल आते हैं, जब किसी व्यक्ति का सर्वोच्च बलिदान राजनीति से ऊपर उठकर देश की स्मृति का हिस्सा बन जाता है। डॉ. मुखर्जी का बलिदान भी ऐसा ही था। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि

स्वामी, प्रकाशक राजेश त्यागी एवं मुद्रक अभिन्न कुमार द्वारा अभी प्रिंटिंग प्रेस 17, जी प्लोर, नियर पीठ बाजार पुलिया जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 से मुद्रित कर 1030, सेक्टर 18, ब्लाक ई, ओमेक्स सिटी, सोनीपत, हरियाणा-131029 से प्रकाशित किया। संपादक: राजेश त्यागी 9250993497

क्या आपको दिन में नींद आती है दोपहर में बार-बार आने वाली झपकी शरीर में इन बीमारियों का संकेत हो सकती है

अक्सर दोपहर के खाने के बाद शरीर में आलस और सुस्ती आने लगती है। कई बार एक झपकी लेने का मन करता है। ये कोई गलत बात नहीं है बल्कि दिन में ली गई एक नैप यानि कुछ देर की झपकी आपको तरोताज़ा कर देती है। खासकर जब आपको रात में अच्छी नींद न आई हो और तनाव भरी सुबह रही हो। दरअसल, हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो एक छोटी झपकी व्यक्ति को कहीं अधिक अलर्ट और प्रोडक्टिव बना सकती है। लेकिन अगर आपको आपको हर दिन लंबी झपकी की ज़रूरत पड़ती है या भरपूर नींद लेने का बाद भी थकान महसूस होती है, तो ये शरीर में कुछ समस्याओं की ओर इशारा भी हो सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, कभी-कभार झपकी लेना पूरी तरह से सामान्य है, लेकिन बार-बार या लंबे समय तक दिन में थकान महसूस होना आपके किसी अंदरूनी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि आपकी नींद का पैटर्न आपको क्या संकेत दे रहा है।

मेदांता नोएडा के श्वसन एवं नींद चिकित्सा वि भाग के निदेशक डॉक्टर मुणाल सिरकार के अनुसार, 10से 30मिनट की झपकी लेना फायदेमंद माना जाता है। ये नींद खासतौर से रात की खराब नींद के बाद या कोई बहुत गहरा मानसिक काम करने के दौरान फायदेमंद साबित हो सकती है।

बार-बार झपकी लेना कब चिंता का विषय होना चाहिए कभी-कभार झपकी लेने की ज़रूरत महसूस होना आम बात है। हालांकि , अगर आप हर दिन लंबी झपकी लेते हैं, जागते रहने में परेशानी होती है या पर्याप्त नींद लेने के बावजूद थका हुआ महसूस करते हुए उठते हैं, तो यह किसी समस्या का संकेत हो सकता है।

डॉक्टर सिरकार बताते हैं कि अध्ययनों से पता चला है कि वृद्ध वयस्कों में बार-बार, लंबे समय तक और असमय झपकी लेना खराब स्वास्थ्य और मृत्यु के बढ़ते जोखिम से जुड़ा हो सकता है। इससे भी ज़रूरी बात यह है कि दिन में ज्यादा नींद आना अपने आप में एक समस्या होने के बजाय शरीर में पनप रही किसी बीमारी का लक्षण हो सकता है।

स्लीप एपनिया- ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया से पीड़ित लोगों को नींद के दौरान सांस लेने में रुकावट होती है, जिसके कारण सांसलनी में रुकावट आने लगती है। इससे नींद में बाधा आती है और पर्याप्त समय बिस्तर पर बिताने के बावजूद दिन में अत्यधिक नींद आती है।



अनिद्रा- अगर आपको नींद की समस्या है, नींद न आना या समय से पहले जाग जाना, अच्छी नींद टूट जाने की परेशानी है तो ऐसे लोगों को अक्सर दिन में नींद आती है और उन्हें बार-बार झपकी लेने की आवश्यकता महसूस हो सकती है।

बेचैन पैर सिंड्रोम- यह एक तंत्रिका संबंधी विकार है जिसमें पैरों में संवेदनाएं होती हैं और पैर हिलाने की बहुत इच्छा होती है, खासकर रात में, इसे रेस्टलेस लेग सिंड्रोम कहते हैं। इसमें नींद की गुणवत्ता

खराब होने से व्यक्ति दिन भर थका हुआ महसूस कर सकता है। अन्य परेशानियां डॉक्टर सिरकार ने बताया कि हाइपोथायरायडिज्म, डायबिटीज, दिल की बीमारी, पुरानी बीमारियां और कुछ तंत्रिका संबंधी विकार जैसी स्थितियां दिन में अत्यधिक नींद आने में योगदान कर सकती हैं। थकान और नींद आना डिप्रेशन और लंबे समय तक तनाव जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण भी हो सकता है।

घर पर इस तरह झटपट बनाएं कोकोनट बर्फी, बेहद सिंपल है रेसिपी

त्योहार का मौका हो या अचानक कुछ मीठा खाने का मन करे, तो लोगों को समझ नहीं आता कि क्या बनाया जाए। हममें से ज्यादा लोग मीठे में हलवा खाना पसंद करते हैं क्योंकि इसे बनाने में काफी कम समय लगता है। लेकिन एक और स्वीट डिश है जो



बेहद कम समय में बनकर तैयार हो जाती है वो है कोकोनट बर्फी। कोकोनट बर्फी खाने में स्वादिष्ट लगती ही है, इसके साथ ही इसे बनाना भी बेहद आसान है। बाज़ार में मिलने वाली मिठाइयों में मिलावट का डर रहता है, लेकिन घर पर बनाई गई यह बर्फी न सिर्फ शुद्ध होती है बल्कि इसका स्वाद भी लाजवाब होता है। यहां हम आपके लिए कोकोनट बर्फी की आसान सी रेसिपी लेकर आए हैं।

सामग्री
डेसिकेटेड कोकोनट नारियल का बुरादाः(2कप)
कंडेंस्ड मिल्कः 1कप(लगभग 200ग्राम)
इलायची पाउडरः½छोटा चम्मच(बेहतरीन खुशबू के लिए)
घीः 1बड़ा चम्मच
कटे हुए बादाम और पिस्ताः 1बड़ा चम्मच(सजावट के लिए)
स्टेप 1
सबसे पहले एक भारी तले वाली कड़ाही या नॉन-स्टिक पैन लें और उसमें 1 चम्मच घी गर्म करें। अब इसमें 2कप नारियल का बुरादा डालें। धीमी आंच पर इसे लगातार चलाते हुए 2से 3 मिनट के लिए भूनें। ध्यान रखें कि नारियल का रंग नहीं बदलना चाहिए , हमें बस इसकी नमी को दूर करना है और हल्की सी खुशबू आने तक पकाएं।

क्या आपको निर्णय लेते समय महसूस होता है तनाव इन 5 संकेतों से चलेगा पता

हम रोजमर्रा के जीवन में कई छोटे-बड़े फैसले लेते हैं, जैसे क्या पहनना है, क्या खाना है या कौन-सा शो देखना है। इन ज़रूरी संकेत हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर आप रोजाना यह सोचते हैं कि आज क्या पहनना है या क्या खाना है और

हो रही है। जैसे कि क्या खाना है या कौन-सा कपड़ा पहनना है, इन मामलों में ज्यादा सोचने से मानसिक ऊर्जा खत्म हो सकती है। इससे आपका मूड भी प्रभावित होता है और आप चिड़चिड़े हो सकते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि आप कुछ फैसले पहले ही तय कर लें, ताकि आपको बार-बार सोचना न पड़े।

अगर आपका मूड बार-बार बदलता रहता है और आप खुद को उदास या चिड़चिड़ा महसूस करते हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। ऐसा अक्सर तब होता है जब हम ज्यादा सोचते हैं या छोटे-छोटे फैसलों में उलझे रहते हैं। इस स्थिति में खुद को थोड़ा समय देना ज़रूरी है, ताकि आप आराम कर सकें और अपनी मानसिक ऊर्जा को फिर से प्राप्त कर सकें।

अगर आप अक्सर बहुत ज्यादा चिंता करते रहते हैं, खासकर छोटे-छोटे मामलों को लेकर तो यह एक ज़रूरी संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट है। ज्यादा चिंता करने से मानसिक ऊर्जा खत्म हो सकती है और आप खुद को बहुत थका हुआ महसूस कर सकते हैं। इस स्थिति में आपको अपनी दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने की ज़रूरत हो सकती है, ताकि आप आराम कर सकें और अपनी मानसिक ऊर्जा को फिर से प्राप्त कर सकें।

अगर आप अक्सर अपने फैसलों पर शक करते रहते हैं और खुद को गलत ठहराते रहते हैं तो यह भी एक ज़रूरी संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है।

सुबह के सम आपका बीपी 140/90से ज्यादा रहता है, तो क्या करना चाहिए

अनियमित जीवनशैली का सबसे ज़्यादा प्रभाव हमारी सेहत पर पड़ता है जो धीरे धीरे पता चलता है। इन दिनों भारत में कम उम्र में ही लोग हाई ब्लड प्रेशर के मरीज बन रहे हैं। साओल हार्ट सेंटर के संस्थापक, एमबीबीएस और एमडी ,डॉक्टर बिमल छाजेर , कहते हैं कि हाई ब्लड प्रेशर एक साइलेंट किलर है। इसके लक्षण तुरंत नज़र नहीं आते हैं लेकिन यह आगे चलकर हार्ट से जुड़ी बीमारियों की वजह बनता है। यानी हाई ब्लड प्रेशर से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है इसलिए ब्लड प्रेशर को हमेशा कंट्रोल में रखना चाहिए।

किन वजहों से बढ़ता है ब्लड प्रेशर डॉक्टर बिमल छाजेर, कहते हैं कि सुबह के समय आमतौर पर ज़्यादातर लोगों का ब्लड प्रेशर बढ़ा होता हो। इसके पीछे वजह सुबह उठने पर स्ट्रेस हॉर्मोन का रिलीज होना , नींद पूरी नहीं होना, खाने में नमक का ज़्यादा इस्तेमाल ये तीन वजहें मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने के लिए क्या करें डीप ब्रीदिंग करें: डॉक्टर बिमल छाजेर, कहते हैं कि अगर सुबह के समय आपका ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ है तो आप सबसे पहले डीप ब्रीदिंग करें। सुबह उठकर आराम से बैठें और उसके बाद गहरी और लंबी सांस लें दो सेकेंड तक उसे होल्ड करें और फिर सांस को छोड़ें। यह प्रैक्टिस कम से कम पांच मिनट तक करें।

खाने से पहले एक गिलास पानी पिएं: ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने के लिए, खाने से पहले



पानी ज़रूर पिएं। अगर आप हार्ट के मरीज नहीं हैं तो पानी ज़रूर पीना चाहिए।

माइल्ड डिहाइड्रेशन से भी बीपी बढ़ा रहता है इसलिए पानी पिएं इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है

सुवमैट करें: सुबह उठकर बाँड़ी स्टिफनेस को दूर करने के लिए लाइट सुवमैट करें। दस से पंद्रह मिनट हल्का वाक या स्ट्रेचिंग करने से यह आपके बाँड़ी के हर जॉइंट्स को एक्टिवेट करता है।

पूरी नींद लें: सुबह अक्सर ब्लड प्रेशर इसलिए भी हाई होता है क्योंकि रात को नींद पूरी नहीं होती है। इसलिए रोजाना कम से कम सात से आठ घंटे की नींद लें।

आधी अधूरी नींद से शरीर में तनाव हॉर्मोन

रिलीज होते हैं जो बीपी को बढ़ाने का काम करते हैं

नमक का सेवन कम करें: हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए अपनी डाइट में नमक का सेवन कम करें। जंक फूड और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों का सेवन न करें।

शुगरी फूड्स से भी दूरी बनाएं। जितना हो सके अपनी डाइट में प्रोटीन, विटामिन और फाइबर को शामिल करें

इन सब एहतियात को बरतने के बाद भी अगर रोज चेक करने पर ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ है तो अपने डॉक्टर से मिलें। अगर आपको चक्कर आ रहा है, सिर भारी है या छाती में दर्द हो रहा है तब भी डॉक्टर से मिलें।

महिलाओं के लिए हलीम सीड्स का सेवन हो सकता है फायदेमंद

हलीम के बीज सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। खासतौर पर महिलाओं के लिए इसका सेवन किसी अमृत से कम नहीं है। ये सीड्स हीमोग्लोबिन लेवल को तेजी से बढ़ाता है और आयरन की कमी को दूर करता है। 100 ग्राम हलीम के बीज में लगभग 90से 100मिलीग्राम आयरन पाया जाता है जो इसे पौधों से मिलने वाले आयरन का सबसे बेहतरीन स्रोत बनाता है। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वात्स्य अपने यू ट्यूब पेज पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि आखिर महिलाओं को इस बीज का सेवन क्यों करना चाहिए। इसके फायदे और सेवन का सही तरीका क्या है

लो हीमोग्लोबिन: महिलाओं में हीमोग्लोबिन का स्तर 12 से 15 ग्राम डेसीलीटर होना चाहिए। लेकिन पीरियड्स में ज्यादा रक्तस्राव और प्रेग्नेसी की वजह से हीमोग्लोबिन कम हो जाता है जिससे शरीर में आयरन कम होता है और इस वजह से एनीमिया की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में हीमोग्लोबिन बढ़ाहने के लिए आप हलीम के बीज का सेवन कर सकते हैं।

पीरियड्स के दौरान होने वाले आयरन की कमी: हलीम के बीज आयरन से भरपूर होते हैं महिलाओं में आमतौर पर हीमोग्लोबिन लेवल कम होता है जिससे आयरन की कमी ज्यादा होती है। इसमें मौजूद आयरन और फोलिक एसिड हीमोग्लोबिन का लेवल बढ़ाते हैं और पीरियड्स के दौरान होने



वाले आयरन की कमी से बचाते हैं।

हेयर फॉल: हलीम के बीज का सेवन करने से हेयर फॉल की समस्या कंट्रोल हो सकती है। दरअसल, जब शरीर में आयरन की कमी होती है तो उस वजह से बालों झड़ना एक मुख्य कारण है। ऐसे में इसके सेवन से स्कैल्प तक ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है।

कब्ज : हलीम के बीज कब्ज की समस्या में भी बेहद असरदार हैं। इसमें मौजूद फाइबर स्टूल मोमेंट को इम्प्रूव करता है और कॉन्स्टिपेशन को कंट्रोल करने में मदद करता है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद: हलीम के बीज में कैल्शियम , मैग्निशियम और फास्फोरस भी होता है जो बाॅन डेंसिटी को बेहतर करने के साथ मसल्स को भी मजबूत बनाता है।

मच्छर के काटने से खुजली क्यों होती है जानें इसके पीछे का साइंटिफिक रीजन

गर्मियों और बरसात के दिनों में मच्छरों का आतंक बढ़ जाता है। शाम होते ही घरों में ये अपना डेरा जमा लेते हैं और काटते हैं। दिखने में छोटे-छोटे ये मच्छर जब आपके शरीर पर काटते हैं, तो शरीर में खुजली और जलन होती है। लेकिन क्या आपने कभी



सोचा है कि जब कोई मच्छर हमें काटता है, तो उस जगह पर तेज खुजली क्यों होने लगती है और वहां लाल रंग का एक छोटा सा गुब्बारा क्यों बन जाता है यहां हम आपको बताते जा रहे हैं कि इसके पीछे का साइंटिफिक रीजन क्या है। चलिए जानते हैं।

1.लार की वजह से जब एक मादा मच्छर हमारी त्वचा पर बैठती है, तो वह अपने डंक को हमारी त्वचा के अंदर डालती है। खून चूसने से पहले, मच्छर हमारी त्वचा में अपनी लार छोड़ती है। इस लार में खास तरह के एंटी-कोगुलेंट्स यानी थक्का-रोधी प्रोटीन होते हैं। इनका काम खून को जमने से रोकना होता है ताकि मच्छर बिना किसी रुकावट के आसानी से खून चूस सके।

2.हमारे इम्यून सिस्टम का एक्टिव होना जैसे ही मच्छर की लार हमारे शरीर के संपर्क में आती है, हमारा इम्यून सिस्टम तुरंत अलर्ट हो जाता है। शरीर को लगता है कि कोई बाहरी और हानिकारक तत्व अंदर घुस आया है।

मेकअप के दौरान प्राइमर लगाते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान मिलेगा फलालेस लुक

प्राइमर एक ऐसा मेकअप उत्पाद है, जो चेहरे की त्वचा को तैयार करने और फाउंडेशन को लंबे समय तक टिकाने में मदद करता है। सही तरीके से प्राइमर लगाने पर आपका मेकअप न केवल बेहतर दिखता है, बल्कि लंबे समय तक भी चलता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी बातें बताते हैं, जिनका प्राइमर लगाते समय ध्यान रखना चाहिए, ताकि आपका मेकअप बेहतरीन दिखे और लंबे समय तक चले।

त्वचा के प्रकार के अनुसार प्राइमर का करें चयन प्राइमर खरीदते समय अपनी त्वचा के प्रकार पर ध्यान देना ज़रूरी है। अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो बिना तेल वाला प्राइमर चुनें, जो अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करने में मदद करेगा। सूखी त्वचा वालों के लिए नमी देने वाला प्राइमर अच्छा रहता है, जो त्वचा को नमी देता है। संवेदनशील त्वचा वालों के लिए ऐसा प्राइमर अच्छा होता है, जो त्वचा को मुलायम बनाता है और फाउंडेशन को आसानी से लगाने में मदद करता है।

चेहरे को करें साफ और सुखाएं प्राइमर लगाने से पहले अपने चेहरे को अच्छी तरह साफ करें। इसके लिए चेहरे को फेसवॉश से धोएं और तौलिये से पोंछ लें। इसके बाद चेहरे को हल्के हाथों से सुखाएं, ताकि कोई नमी न रहे। नमी रह जाने से प्राइमर ठीक से सेट नहीं होता और मेकअप भी खराब हो सकता है। साफ और सूखा चेहरा ही प्राइमर के लिए सबसे अच्छा आधार होता है, जिससे आपका मेकअप लंबे समय तक टिका रहता है।सही मात्रा में लगाएं प्राइमर



प्राइमर लगाने समय मात्रा का ध्यान रखना बहुत ज़रूरी है। ज्यादा प्राइमर लगाने से त्वचा चिपचिपी हो सकती है और मेकअप भी ठीक से नहीं बैठता। आमतौर पर एक छोटी-सी मात्रा ही काफी होती है। उंगलियों, ब्रश या स्पंज की मदद से इसे पूरे चेहरे पर हल्के हाथों से फैलाएं। ध्यान रखें कि प्राइमर हर हिस्से पर समान रूप से लगे, ताकि फाउंडेशन भी बराबर फैले और आपका मेकअप बेहतरीन दिखे।

आमतौर पर लोग सिर्फ चेहरे पर ही प्राइमर लगाते हैं, लेकिन आंखों और होंठों पर भी ध्यान देना ज़रूरी है। आंखों के आसपास की त्वचा को चिकना बनाने के लिए आईशैडो बेस प्राइमर का उपयोग करें, जिससे आईशैडो लंबे समय तक टिका रहे।

जजमेंट डे पर फूटा डबल एलिमिनेशन का बम, कंट्रोलर्स ने किया दो कंटेस्टेंट का सफाया, फिर लाक अप 2में हुआ बड़ा उलटफेर

रियलिटी शो 'लॉक अप 2' के हालिया 'जजमेंट डे' एपिसोड में दर्शकों को एक बड़ा झटका लगा। शो में इस बार एक भावुक कर देने वाला डबल एलिमिनेशन देखने को मिला, जिसमें आकांक्षा चौधरी और माधुरी जैन को घर से बेघर कर दिया गया। यह फैसला शो के 'कंट्रोलर्स' की वोटिंग के आधार पर लिया गया, जिसने घर के सभीकरणों को पूरी तरह बदल कर रख दिया है। इस एलिमिनेशन की प्रक्रिया तब शुरू हुई जब कंट्रोलर्स ने एक मत होकर अपने-अपने डिपेंडेंट्स को सुरक्षित करने का फैसला किया। इसके बाद होस्ट रिशेथ देशमुख ने घोषणा की कि बिना कंट्रोलर वाले बचे हुए तीन कंटेस्टेंट्स यो गेश रावत, आकांक्षा चौधरी और माधुरी जैन पर अब बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है और उन्हें खुद को बचाने के लिए लड़ना होगा।

माधुरी जैन ने पिच करने से किया इनकार

वोटिंग की प्रक्रिया शुरू होने से पहले होस्ट रिशेथ देशमुख ने तीनों नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट्स को अपने बचाव में बात रखने का आखिरी मौका दिया। हालांकि , माधुरी जैन ने यह कहकर सबको हैरान कर दिया कि वह अपने लिए कोई अपील नहीं करना चाहतीं। जब रिशेथ ने उनसे इसका कारण पूछा , तो माधुरी ने बेहद शांत रहकर कहा ,मुझे उनका फैसला पहले से पता है। वे सब मिलकर मुझे कभी नहीं बचाएंगे। इस पर श्रेया कालरा ने उन्हें टोकते हुए अपने लिए खड़े हो ने को कहा, वहीं रिशेथ ने टिप्पणी की कि ऐसा लग रहा है जैसे माधुरी ने पहले ही घर जाने का मन बना लिया है। इस पर सफाई देते हुए माधुरी ने कहा



कि वह घर नहीं जाना चाहतीं, लेकिन अगर दूसरों को लगता है कि वह शो में रहने की हकदार हैं तो वे उन्हें खुद बचाएं। दूसरी ओर योगेश रावत ने अपील करते हुए कहा कि वह हर बीते दिन के साथ इस खेल का ज्यादा आनंद ले रहे हैं और अगर उनके रहने से खेल दिलचस्प होता है तो उन्हें बचाया जाना चाहिए। आकांक्षा चौधरी ने अपने सफर का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा सामने से आकर गेम खेला है। उन्होंने अपनी दुश्मनी भी खुलकर निभाई और दोस्तों को भी बचाया, इसलिए वह शो में रहने की पूरी हकदार हैं।

आकांक्षा और माधुरी को खिलाफ पड़े सबसे ज्यादा वोट

इसके बाद सभी कंट्रोलर्स से सीक्रेट वेल्ट के जरिए उन दो कंटेस्टेंट्स के नाम लिखने को कहा गया जिन्हें वे शो से बाहर करना चाहते हैं। पामेला ने माधुरी और आकांक्षा को चुना, क्योंकि उन्हें लगा कि योगेश टास्क में ज्यादा मजबूत हैं। शिल्पा शिंदे ने भी आकांक्षा और माधुरी के खिलाफ वोट किया। शिल्पा का मानना था कि आकांक्षा किसी की बात नहीं सुनतीं, वहीं माधुरी के साथ अच्छे रिश्ते होने के बावजूद कुछ हालिया घटनाओं की वजह से उनका नजरिया बदल गया था। धीरज

धूपर ने योगेश और माधुरी को वोट दिया। उन्होंने पिछले टास्क के दौरान योगेश के दुलमुल रवैये पर सवाल उठाए, वहीं माधुरी के बारे में कहा कि वह अपनी राय को लेकर इतनी अडिगल हो जाती हैं कि दूसरों का नजरिया समझना बंद कर देती हैं। वरुण लैला ने आकांक्षा और माधुरी के नाम लिए। वरुण ने आकांक्षा द्वारा श्रेया कालरा के खाने में पानी डालने की हरकत की आलोचना की और योगेश के साथ मजबूत बॉन्डिंग होने के कारण उन्हें बचा लिया।

इस तरह घर से बाहर हुए दो कंटेस्टेंट

आखिरी वोट श्रेया कालरा का था, जिन्होंने भी आकांक्षा और माधुरी को ही निशाना बनाया। श्रेया ने आकांक्षा के बर्ताव को असम्मानजनक बताया। वहीं माधुरी को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा,जो सबका दोस्त होता है, वह किसी का दोस्त नहीं होता। श्रेया ने आरोप लगाया कि आकांक्ष रूम टास्क के दौरान माधुरी ने उन पर भावनात्मक दबाव बनाया था, जिसके चलते दोनों के बीच दूरियां आ गई थीं। बहुमत के आधार पर आकांक्षा चौधरी और माधुरी जैन का 'लॉक अप 2' का सफर यहीं समाप्त हो गया, जिससे दोनों काफी भावुक नजर आईं।

आकांक्षा चौधरी और माधुरी ग़ोवर, दोनों को बाहर किए जाने के बाद, उन्हें यह तय करने का मौका दिया गया कि गेम में कौन आगे बढ़ेगा। एक निस्वार्थ फैसला लेते हुए माधुरी ने आकांक्षा को बचाने का विकल्प चुना, उन्होंने अपनी यात्रा का त्याग किया और एलिमिनेशन स्वीकार कर लिया। इस भावुक पल ने कंटेस्टेंट्स और दर्शकों, दोनों को

श्रुति हासन बनीं नए घरकी मालकिन, चेन्नई में खरीदे नए घर में की गृह प्रवेश पूजा

साउथ सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस-सिंगर और सुपरस्टार कमल हासन की बेटी श्रुति हासन ने एक नया घर खरीदा है। अभिनेत्री



ने अपने होमटाउन चेन्नई में एक नया आलीशान घर खरीदा है। हाल ही में श्रुति ने अपने नए घर में गृह प्रवेश पूजा की, जिसकी खूबसूरत तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में श्रुति पर्पल कलर का सूट पहने, गले में माला डाले पारंपरिक गृह प्रवेश की पूजा करती दिख रही हैं और सामने आई तस्वीरों में उनके चेहरे की खुशी साफ देखी जा सकती है। तस्वीरों में श्रुति हासन अपने नए घर में जमीन पर बैठकर पूजा करती दिख रही हैं। उनके सामने मिठाईयां, चाबियां और अन्य पूजा सामग्री रखी देखी जा सकती है। सोशल मीडिया पर ये तस्वीरें सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने शेयर की हैं और श्रुति ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पूजा की झलकियां साझा की हैं, जिसमें वह बेहद खुश लग रही हैं। तस्वीरों में श्रुति के साथ ज्यादा लोग नजर नहीं आ रहे, जिससे पता चलता है कि उन्होंने बहुत ही सादगी भरे अंदाज में गृह प्रवेश की पूजा की। उनके सामने बैठे पंडित जी, पूजा कराते दिख रहे हैं। हालांकि, इन तस्वीरों में श्रुति के साथ उनके पिता कमल हासन, मां सारिका या बहन देखने को नहीं मिलीं।

अजय देवगन का बाक्स ऑफिस पर दबदबा, पांचवें दिन भी जारी रहा धमाल, वर्ल्डवाइड 115 करोड़ के पार



अजय देवगन स्टारर कॉमेडी फिल्म'धमाल 4'बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने अपने पहले मंगलवार यानी रिलीज के पांचवें दिन शानदार कमाई की, जो सोमवार के मुकाबले भी बेहतर रहा। कामकाजी दिन होने और टिकटों के दाम कम होने का सीधा फायदा फिल्म को मिला, जिससे सिनेमाघरों में दर्शकों की तादाद में भारी इजाफा देखा गया। अपने पांचवें दिन फिल्म ने भारत में 9.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। इस कमाई के साथ ही फिल्म का कुल भारतीय ग्राॅस कलेक्शन 99.44 करोड़ रुपये और नेट कलेक्शन 83.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले एक दिन में यह फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लेगी।

विदेशी बाजारों में प्रदर्शन और वर्ल्डवाइड कमाई

घरेलू बाजार के साथ-साथ 'धमाल 4' को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। विदेशी बाजारों में फिल्म ने मंगलवार को 1.50 करोड़ रुपये की कमाई की, जिसके बाद इसका कुल ओवरसीज ग्राॅस कलेक्शन 16 करोड़ रुपये हो गया है। भारतीय और विदेशी बाजारों की कुल कमाई को मिलाकर'धमाल 4'का वर्ल्डवाइड ग्राॅस कलेक्शन अब 115.44 करोड़

रुपये के शानदार आंकड़े पर पहुंच चुका है।

शुरुआती दिनों का बॉक्स ऑफिस सफर और ऑक्स्पेंसी

फिल्म के शुरुआती पांच दिनों के सफर पर नजर डालें तो इसने 10 जुलाई , शुक्रवार को 10.669 शोज और 24 ॥ऑक्स्पेंसी के साथ 14 करोड़ रुपये की ओपनिंग की थी। शनिवार यानी दूसरे दिन शोज की संख्या बढ़कर 10954 हुई और 35 ॥ ऑक्स्पेंसी के साथ कमाई 22.50 करोड़ रुपये रही। रविवार फिल्म ने सबसे बड़ी छलंग लगाई और 11481 शोज व 44 ॥ऑक्स्पेंसी के साथ 28.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। हालांकि सोमवार यानी चौथे दिन बर्किंग दे होने के कारण कमाई में गिरावट आई और 10598शोज व 19 ॥ ऑक्स्पेंसी के साथ फिल्म ने 8.75 करोड़ रुपये बटोरे। पांचवें दिन मंगलवार को फिल्म ने वापसी की और 1077शोज में 20 ॥ऑक्स्पेंसी दर्ज कराते हुए 9.50करोड़ रुपये कमाए।

मंगलवार को शोज का हाल और दर्शकों की मौजूदगी

मंगलवार को फिल्म के हिंदी 2D शोज में कुल मिलाकर 20.78 ॥ की ऑक्स्पेंसी देखी गई। दिन के अलग-अलग समय के हिसाब से दर्शकों की संख्या में बदलाव आता रहा।

क्या राजनीति में होगी जूनियर NTR की एंट्री अफवाहों पर टीम ने लगाया विराम

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार और पैन-इंडिया स्टार जूनियर एनटीआर के राजनीतिक भविष्य को लेकर पिछले कुछ दिनों से



सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में अटकलें तेज थीं। अफवाहें उड़ रही थीं कि अभिनेता जल्द ही राजनीति में कदम रखने जा रहे हैं और इसके लिए वे एक बड़ा मंच तैयार कर रहे हैं। हालांकि अब जूनियर एनटीआर की आधिकारिक टीम ने इन सभी चर्चाओं पर विराम लगाते हुए स्थिति पूरी तरह साफ कर दी है। टीम ने एक बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि अभिनेता का फिलहाल राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है और सोशल मीडिया पर चल रही खबरें महज अफवाह हैं।

ऊरु वाडा कार्यक्रम को लेकर टीम ने दी सफाई

अटकलें लगाई जा रही थीं कि जूनियर एनटीआर आगामी 18 जुलाई को एक भव्य कार्यक्रम के जरिए अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत करेंगे। इस पर सफाई देते हुए अभिनेता की टीम ने बताया कि 18 जुलाई को प्रस्तावित कार्यक्रम किसी भी तरह से राजनीतिक एजेंडे से प्रेरित नहीं है। यह आयोजन 'ऊरु वाडा' नामक एक नई सामाजिक पहल और जन-कल्याणकारी योजना को लॉन्च करने के लिए किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सेवा, जमीनी स्तर पर लोगों की मदद और सामुदायिक कल्याण की रूपरेखा को जनता के सामने रखना है।

फैंस और मीडिया से अफवाहें न फैलाने की अपील

जूनियर एनटीआर की टीम ने प्रशंसकों और आम जनता से अपील की है कि वे इंटरनेट पर बिना किसी ठोस आधार के चल रही भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें। इसके साथ ही टीम ने मीडिया घरानों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से भी अनुरोध किया है कि वे इस सामाजिक कार्यक्रम को राजनीतिक रंग देने से बचें और किसी भी तरह की मनगढ़ंत रिपोर्ट प्रकाशित या प्रसारित न करें। बयान में साफ तौर पर कहा गया है कि'ऊरु वाडा' पूरी तरह से एक गैर-राजनीतिक और सामाजिक अभियान है।

आकांक्षा चमोला का एक और बड़ा खुलासा, गौरव खन्ना से तलाक के बाद नहीं करेगीशादी

टीवी एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला इन दिनों रियलिटी शो 'लॉक अप' में अपने बयानों को लेकर काफी चर्चा में हैं। शो के प्रीमियर के दौरान उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वह अपने पति और मशहूर अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक लेने जा रही हैं। दोनों की शादी को लगभग एक दशक होने वाला है, लेकिन अब उनके रान्ते अलग हो रहे हैं। इस घोषणा के बाद से ही फैंस और मीडिया में दोनों के रिश्ते को लेकर कई तरह की बातें हो रही हैं। शो के भीतर आकांक्षा लगातार अपनी निजी जिंदगी, अपनी शादीशुदा जिंदगी में आई खटास और अपने निजी विचारों को लेकर खुलकर बात कर रही हैं।

बदलती सेक्शुअलिटी पर आकांक्षा का नजरिया

लॉक अप के हालिया एपिसोड में आकांक्षा चमोला ने अपनी सेक्शुअलिटी और अपनी वर्तमान मानसिक स्थिति के बारे में सह-प्रतिभागी वरुण यादव से खुलकर बात की। जब वरुण ने उनसे पूछा कि क्या वह भविष्य में कभी दोबारा शादी करेगी तो आकांक्षा ने साफ शब्दों में मना कर दिया। उन्होंने कहा कि उनके मन में अब शादी को लेकर एक गहरा डर बैठ गया है। सेक्शुअलिटी के मुद्दे पर बात करते हुए उन्होंने एक नया खुलासा किया कि वह अब पूरी तरह से असेक्सुअल हो चुकी हैं। आकांक्षा का मानना है कि ईंसान की सेक्शुअलिटी जीवन के अलग-अलग चरणों के हिसाब से बदलती रहती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जब उनका तलाक हो रहा है तो उन्हें किसी के प्रति भी शा रीरिक आकर्षण महसूस नहीं होता न पुरुषों के प्रति और न ही महिलाओं के प्रति।

आकांक्षा ने शादी के उद्देश्य और बच्चों को लेकर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि उनकी शादी टूटने की एक बड़ी वजह यह भी है कि उनके भीतर कभी मां बनने की इच्छा या मैटरनल इंस्टिंक नहीं जगा। उनका मानना है कि अधिकांश लोग केवल परिवार को आगे बढ़ाने और बच्चे पैदा करने के लिए ही शादी का फैसला करते हैं। उन्होंने स्वीकार कि या कि उनके पति गौरव अपनी जगह बिल्कुल सही हैं, क्योंकि वह बच्चा



चाहते थे, लेकिन जब आकांक्षा ने 'बिग बॉस' में हिस्सा लिया, तब उन्हें इस बात का गहराई से अहसास हुआ कि गौरव की यह इच्छा बहुत प्रबल है और वह इसे पूरा करने में असमर्थ हैं। वह गौरव को किसी भी असमंजस या दबाव की स्थिति में नहीं रखना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने अलग होने का फैसला किया।

गौरव खन्ना से शादी से पहले की जिंदगी के बारे में बात करते हुए आकांक्षा ने खुलासा किया कि वह हमेशा से बाईसेक्शुअल रही हैं। उन्हें महिलाएं बहुत पसंद हैं, वह उनकी तरफ आकर्षित होती हैं और महिलाओं के साथ को अपना एक सुरक्षित क्षेत्र मानती हैं। पुरुष प्रधान समाज कि जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बचपन से ही उन्हें मां और बहनों से जो सुकून मिलता रहा है, उसी वजह से वह हमेशा फेमिनिन एनर्जी की तरफ खिंची चली गई। समाज की इस धारणा को नकारते हुए कि महिलाएं एक-दूसरे की दोस्त नहीं हो सकतीं या उनमें आपस में ईर्ष्या हो ती है, आकांक्षा ने कहा कि उनके मन में कभी ऐसी भावनाएं नहीं रहीं और उनके लिए हर महिला बेहद खूबसूरत और प्योर लव की तरह है।आकांक्षा चमोला और गौरव खन्ना की लव स्टोरी टीवी इंडस्ट्री की चर्चित कहानियों में से एक रही है।

मन्नत के रेनोवेशन का सस्ता हुआ साफ, शाहरुख खान के घर में जुड़ेगी अतिरिक्त मंजिल, सुपरस्टार को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान और गौरी खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने सुपरस्टार को उनके मुंबई स्थित बंगले 'मन्नत' में अतिरिक्त मंजिल जोड़ने की अनुमति दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुपरस्टार को अपने घर में दो और मंजिल जोड़ने के लिए'कोस्टल रेगुलेशन जोन)CRZ(की मंजूरी को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यून(एनजीटी)(के फैसले में हस्तक्षेप से साफ इनकार कर दिया और कहा कि रेनोवेशन के काम को मंजूरी देने वाले अधिकारियों ने कानून के प्रावधानों का पूरी तरह से पालन किया है और इस मामले में हस्तक्षेप की कोई जरूरत नहीं है।

बता दें, शाहरुख खान के बंगले 'मन्नत' के रेनोवेशन के खिलाफ मुंबई के एक निवासी ने याचिका दायर की थी, जिसमें उसने बांद्रा में मौजूद एक्टर के सी-फेसिंग बंगले के रेनोवेशन के लिए दी गई मंजूरी पर सवाल उठाए गए थे। याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के इरादे पर भी शक जताया। बेंच ने कहा कि पहली नजर में याचिका दायर करने का मकसद संदिग्ध लग रहा था। मामले में कोई ठोस आधार न मिलने पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने रेनोवेशन पर कोई रोक नहीं लगाई है, यानी अब 'मन्नत' में



रेनोवेशन का काम जारी रह सका।

परिवार के साथ'मन्नत' से बाहर रह रहे हैं

शाहरुख खानशाहरुख खान ने 2001 में यह बंगला खरीदा था और बाद में इसका नाम 'मन्नत' रखा, जिसका अर्थ है दिल से की गई कोई'इच्छा' या'प्रार्थना' है। दूसरी तरफ,मन्नत में रेनोवेशन के काम के चलते शाहरुख खान, अपनी पत्नी गौरी खान और बच्चों आर्यन, सुहाना और अबराम के साथ कुछ दिनों के लिए मुंबई के पाली हिल इलाके में एक लग्जरी अपार्टमेंट बिल्डिंग में शिफ्ट हो गए हैं। खबरों के मुताबिक, एक्टर ने फिल्म प्रोड्यूसर वाशु भगनानी से इस बिल्डिंग की

चार मंजिलें किराए पर ली हैं, जिसमें वह अपने परिवार के साथ रह रहे हैं।वर्क फ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म'किंग' की शूटिंग में व्यस्त हैं। पिछले कुछ दिनों में'किंग' के सेट से कई वीडियो, तस्वीरें सामने आ चुके हैं। ऐसे ही वायरल हुए एक वीडियो में शाहरुख, दीपिका के साथ शूटिंग करते नजर आए , जिसमें वह प्रे्रेंट दीपिका का पूरा ख्याल रखते भी दिखे। बता दें, इस फिल्म में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण के अलावा किंग खान की लाडली सुहाना खान भी मुख्य भूमिका में हैं और अभय वर्मा और

सोनम वांगचुक के अनशन पर शबाना आजमी की भावुक अपील, बोलीं देश को आपकी जरूरत, आंदोलन के लिए स्वस्थ रहना जरूरी

दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी ने सामाजिक और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से अपना अनिश्चितकालीन अनशन खत्म करने की भावुक अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बेहद संवेदनशील संदेश साझा करते हुए कहा कि नाइंसाफी और व्यवस्था की कमियों के खिलाफ इस लंबी लड़ाई में देश को उनके जैसे सच्चे और मजबूत इरादों वाले ईंसानों की बेहद जरूरत है। शबाना आजमी ने वांगचुक से अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे ने का आग्रह किया और कहा कि उनका मार्गदर्शन देश भर के युवाओं और छात्रों को लगातार प्रेरित कर रहा है।

क्या है शबाना का कहना

शबाना आजमी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा,प्रिय सोनम वांगचुक, आप जैसे व्यक्ति की हमारे देश को बहुत जरूरत है। आप नाइंसाफी के खिलाफ खड़े हैं, सच के लिए खड़े हैं, हमें आप पर गर्व है। उन्होंने आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए उनके जीवित और स्वस्थ रहने की अहमियत पर जोर देते हुए आगे लिखा ,इसीलिए हम आपसे विनती करते हैं कि आप अपना उपवास तोड़ दें, क्योंकि हमारे विद्यार्थियों के लिए आपका मार्गदर्शन उनका हीसला बढ़ाता है। यह लड़ाई आगे तक लड़नी है, इसलिए आपका सेहतमंद रहना जरूरी है। हम आपके साथ हैं।

वांगचुक के समर्थन में आगे आए बॉलीवुड के कई दिग्गज



सोनम वांगचुक के इस आंदोलन को मनोरंजन जगत से लगातार बड़ा समर्थन मिल रहा है। शबाना आजमी से पहले भी कई जाने-माने फिल्मी सितारे वांगचुक के हक में अपनी आवाज उठा चुके हैं। हाल के दिनों में जीनत अमान, अभय देओल, नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक शाह, ओमी वैद्य और टीवी अभिनेत्री रबीना दिलैक जैसी हस्तियों ने भी वांगचुक की मांगों का समर्थन किया है। इन सभी कलाकारों ने उनके स्वास्थ्य पर चिंता जताते हुए उनसे

भूख हड़ताल वापस लेने और एक स्वस्थ मार्गदर्शक के रूप में आंदोलन की अगुवाई करने की अपील की है। इस बीच दिल्ली में चल रहे इस प्रदर्शन को जून से ही विभिन्न राजनीतिक दलों और नेताओं का भी भरपूर साथ मिल रहा है। वांगचुक खुद जून के आखिरी हफ्ते से इस अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य लगातार गिर रहा है और यही वजह है कि देश के प्रबुद्ध नागरिक और कलाकार उनसे अनशन खत्म करने के लिए कह रहे हैं।

नीरु ढांडा ने रचा इतिहास, ISSF शाटगन वर्ल्ड कप में ट्रैप गोल्ड जीतने वाली पहली भारती महिला बनीं

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय निशानेबाजी के लिए इटली के लोनारो से बड़ी खुशखबरी आई है। एशियन चैंपियनशिप की गोल्ड मेडलिस्ट नीरू ढांडा ने ISSF शॉटगन वर्ल्ड कप में महिला ट्रैप स्पर्धा का गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस प्रतियोगिता में ट्रैप इवेंट का गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं।

26 साल की नीरू ढांडा ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 में से 27 निशाने सटीक लगाए और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। यह उनके करियर का अब तक का सबसे बड़ा इंटरनेशनल खिताब है। इससे पहले वह पिछले साल एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड और इस साल ISSF वर्ल्ड कप की मिक्स्ड टीम स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं। फाइनल में नीरू ने दुनिया की कई दिग्गज निशानेबाजों को पीछे छोड़ दिया। फ्रांस की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन कैरोल कॉर्मेनियर 25 पॉइंट के साथ सिल्वर मेडल पर रहीं, जबकि मेजबान इटली की एरिका सेसा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

नीरू ने क्वालिफिकेशन राउंड से ही अपना दबदबा कायम रखा। पहले तीन राउंड में उन्होंने 75 में से 75 का



परफेक्ट स्कोर बनाया। चौथे और पांचवें राउंड में उन्होंने केवल चार निशाने चूके और 125 में से 121 पॉइंट के साथ शीर्ष स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता का स्तर बेहद कड़ा था। दो निशानेबाजों ने 120 पॉइंट हासिल किए, जबकि पांच अन्य खिलाड़ियों के बीच फाइनल में जगह बनाने के

लिए शूट-ऑफ हुआ। भारत की दूसरी निशानेबाज मनीषा कीर 125 में से 117 पॉइंट लेकर 10वें स्थान पर रहीं और फाइनल में जगह बनाने से चूक गई। वहीं आशिमा अहलावत 106 प्रतिभागियों के बीच संयुक्त रूप से 80वें स्थान पर रहीं।

ISSF शॉटगन वर्ल्ड कप में ट्रैप शूटिंग में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनने पर शूटर नीरू ढांडा ने कहा यह एहसास बहुत शानदार था। यह पूरी भारतीय टीम के लिए और खासकर उनके और उनके परिवार के लिए सचमुच एक खास दिन था। वह उन सभी का शुक्रिया अदा करना चाहती हैं, जिन्होंने उनका साथ दिया। हमने एक ऐसी बाधा को पार किया जिसे पहले कभी पार नहीं किया गया था। इससे पहले तीन बार फाइनल में जगह न बना पाने के बाद उन्होंने इसे हासिल करने का पक्का इरादा कर लिया था। पहले या तो शूट-ऑफ में या फिर बड़े अंतर से बाहर हो जाती थी। उस बाधा को तोड़ने का एहसास बहुत बढ़िया है। यह एहसास सचमुच बहुत खास है। खेलते समय उनका पूरा ध्यान उस पल पर था। वह खुद को बार-बार तैयार करती रही और हर नए शॉट को एक मौके के तौर पर देखती रही।

पहले वनडे में जीत के बाद गदगद हुए कप्तान

लंदन (एजेंसी)

भारत और इंग्लैंड के बीच में 14 जुलाई को तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में खेला गया। इस मैच को टीम इंडिया ने 6 विकेट से अपने नाम करने के साथ सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। मेजबान इंग्लैंड की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लेते हुए 47.5 ओवर्स में 258 रन बनाकर सिमट गई। इसके बाद टीम इंडिया ने टारगेट को 45.2 ओवर्स में हासिल कर लिया जिसमें कप्तान गिल के 80 तो वहीं वाशिंगटन सुंदर ने नाबाद 52 रनों की पारी खेली। इसके अलावा अक्षर पटेल ने शानदार ऑलराउंड खेल दिखाते



हुए मुकाबले में जहां 4 विकेट हासिल किए तो वहीं नाबाद 57 रनों की पारी भी खेलने में कामयाब रहे। पहले वनडे में जीत के बाद शुभमन गिल काफी खुश दिखाई दिए जिसमें उन्होंने यह भी कहा कि यदि हमें 320 रनों का टारगेट भी मिलता तो हम उसके लिए भी तैयार थे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन वनडे मैच में जीत के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में कहा कि ये हमारे लिए सीरीज की काफी अच्छी शुरुआत है। जब आप मिडिल ऑर्डर और लोअर मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों को इस तरह से रन बनाते हुए देखते हैं वह मैच खत्म करने आते हैं तो एक कप्तान के रूप में आपको काफी आत्मविश्वास मिलता है।

जोस बटलर ने रचा इतिहास, ODI क्रिकेट में 200 मैच खेलने वाले दूसरे अंग्रेज बल्लेबाज बने



लंदन (एजेंसी)

इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जोस बटलर ने भारत के खिलाफ पहले ODI मैच में उतरने के साथ ही बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। जोस बटलर ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन के स्पेशल क्लब में जगह बना ली है। बर्मिंघम में 14वें की पहली गेंद पर कप्तान हैरी ब्रूक के आउट होने के बाद बटलर बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे। इसके साथ ही विकेटकीपर बल्लेबाज ने नया इतिहास रच दिया।

ODI क्रिकेट में बटलर ने किया कमाल दरअसल, जोस बटलर ने ODI क्रिकेट में 200 मैच खेलने का बड़ा कारनामा कर दिखाया है। इसके साथ ही वह ODI क्रिकेट के इतिहास में 200 या उससे ज्यादा मैच खेलने वाले सिर्फ दूसरे इंग्लिश क्रिकेटर बन गए हैं। इससे पहले ये बड़ा कारनामा सिर्फ पूर्व इंग्लिश कप्तान इयोन मोर्गन ने किया था। हालांकि, इंग्लैंड की ओर से अब तक कोई भी खिलाड़ी ODI क्रिकेट के इतिहास में 300 या उससे ज्यादा मैच खेलने का कारनामा नहीं कर पाया है। गौरतलब है कि इयोन मोर्गन ने इंग्लैंड के लिए 2009 से 2022 के बीच 225 ODI मैच खेले थे।

बटलर 2012 से इंग्लैंड टीम के साथ हैं। उन्होंने अब तक 200 मैचों में 38.87 के औसत से 5520 रन बनाए हैं, जिसमें 11 शतक और 29 अर्धशतक शामिल हैं। बटलर इंग्लैंड के लिए ODI क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनसे आगे सिर्फ इयोन मोर्गन हैं। मोर्गन ने 6957 रन बनाने का कारनामा किया। इंग्लैंड की ओर से ODI क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले क्रिकेटर इयोन मोर्गन-225 जोस बटलर-200 पॉल कॉलिंगवुड-197 जेम्स एंडरसन-194 जो रूट-190 रूट सिर्फ 10 मैच दूर जोस बटलर के बाद अब जो रूट 200 ODI मैच खेलने वाले तीसरे इंग्लिश खिलाड़ी बन सकते हैं। रूट ने अब तक 190 ODI मैच खेले हैं। उन्होंने 50 ओवर के फॉर्मेट में 7585 रन बनाए हैं। वह सिर्फ ODI और टेस्ट क्रिकेट खेलते हैं। सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में सचिन तेंदुलकर सबसे टॉप पर हैं।

यानिक सिनर ने लगातार दूसरी बार जीता विंबलडन का खिताब, ज्वेरेव को हराकर पांचवां ग्रैंड स्लैम किया अपने नाम

लंदन (एजेंसी)

दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर ने लगातार दूसरी बार विंबलडन का खिताब जीत लिया है। 12 जुलाई को खेले गए फाइनल मुकाबले में उन्होंने जर्मनी के खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव को एक हाई वोल्टेज मैच में हरा दिया। इस शानदार जीत के साथ ही सिनर ने अपने करियर की पांचवीं ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। इस जीत के साथ ही सिनर ने ज्वेरेव को लगातार 10वीं बार हराया है। इसके अलावा, वह टेनिस के इतिहास में लगातार दो बार विंबलडन का खिताब जीतने वाले 10वें खिलाड़ी बन गए हैं। फाइनल मैच का पहला सेट बहुत ही रोमांचक रहा। दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी, जिससे मैच टाईब्रेक में पहुंच गया। इस दौरान ज्वेरेव ने एक जोरदार फोरहैंड विनर शॉट मारकर पहला सेट अपने नाम कर लिया। यह पॉइंट जीतते ही उन्होंने बहुत ही जोश के साथ अपनी खुशी मनाई। दूसरे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों ने कुछ बेहतरीन शॉट्स खेले। लेकिन सेट के आखिरी समय में ज्वेरेव थोड़े हाताश दिखने लगे। सिनर ने इसी बात का फायदा उठाया और टाईब्रेक में बढ़त बनाते हुए दूसरा सेट जीत लिया। इस तरह मैच एक-एक सेट की बराबरी पर आ गया। मैच के बीच में चोटिल हो गए थे ज्वेरेव हाई घंटे से भी ज्यादा चले इस मैच के तीसरे सेट में ज्वेरेव को पहली बार बढ़त बनाने का मौका मिला। लेकिन इसी दौरान सिनर के एक ड्रॉप शॉट को रोकने के चक्कर में वह फिसलकर कोर्ट पर गिर गए। ज्वेरेव अपने दाहिने घुटने को पकड़कर दर्द से



कराहने लगे, जिसे देखकर स्टेडियम में मौजूद सभी फैस की सांसें अटक गईं। इसके बाद भी ज्वेरेव ने पट्टी बंधवाने के बाद खेलना जारी रखा। लेकिन अगले ही गेम में सिनर ने उनका सर्विस गेम जीत लिया और 5-3 से आगे हो गए। इस बात से हाताश होकर ज्वेरेव ने गुस्से में अपना रैकेट कोर्ट पर ही पटक दिया। फिर सिनर ने यह तीसरा सेट भी अपने नाम कर लिया और मैच में 2-1 की बढ़त बना ली। चौथे सेट में भी सिनर ने ज्वेरेव का सर्विस गेम जीतकर 4-3 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने ज्वेरेव को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और बेहतरीन खेल दिखाते हुए मैच जीत लिया। अपनी जीत पक्की होने ही 24 साल के सिनर खुशी के मारे कोर्ट की घास पर लेट गए और लगातार दूसरी बार विंबलडन चैंपियन बनने का जश्न मनाया।

भारत बनाम बांग्लादेश सीरीज पर संकट के बादल, अब सामने आया नया अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)

इस वक्त तो टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेल रही है, लेकिन इस बीच अगली सीरीज की बात हो रही है। दरअसल भारतीय टीम का बांग्लादेश दौरा प्रस्तावित है, जिस पर संकट के बादल नजर आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने ही इस मामले में अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। फिलहाल कुछ तय नहीं है, लेकिन आने वाले वक्त में इस पर से पर्दा उठेगा।

बीसीबी ने मीडिया राइट्स पर लगाई रोक अभी कुछ ही दिन पहले ये बात सामने आई थी कि भारतीय टीम अगस्त में बांग्लादेश के दौरे पर जा सकती है। जहां तीन वनडे और तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेली जानी है। हालांकि अब ये खुद ही खटाई में पड़ रही है इस बीच क्रिकबज की एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीबी ने इस सीरीज के मीडिया राइट्स के लिए टेंडर जारी किया था, लेकिन इस बीच अचानक उस पर रोक लगा दी है।

सीरीज रद्द करने की नहीं हो पाई है अभी तक पुष्टि

अगर ये सीरीज होती तो इसमें ज्यादा वक्त नहीं बचा है। लेकिन बीसीबी की ओर से अचानक मीडिया राइट्स की प्रक्रिया को रोक देने का मतलब ये है कि कम से कम अभी तो ये सीरीज होती हुई नजर नहीं आ रही है। इसका वक्त बदल कर इसे आगे पीछे किया जाए तो बात अलग है।



हालांकि बीसीबी ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि सीरीज रद्द हो गई है। इस बीच खबरें इस तरह की भी हैं कि बीसीसीआई इस बात से नाराज है कि बीसीबी ने बिना बात किए मीडिया राइट्स की प्रक्रिया क्यों शुरू कर दी। भारत और बांग्लादेश के रिश्ते रहे हैं तलब आपको याद होगा कि कुछ वक्त पहले भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में खटास आ गई थी। इसी दौरान बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारत आने से भी इन्कार कर दिया था। आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से भी बाहर कर दिया था।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में मेसी और एम्बाप्पे के बीच गोल्डन बूट की जंग

वाशिंगटन (एजेंसी)

फीफा वर्ल्ड कप 2026 अब अपने आखिरी दौर में पहुंच गया है और फुटबॉल फैस का उत्साह सातवें आसमान पर है। पूरे टूर्नामेंट में अब सिर्फ तीन मैच और बचे हैं, जिसके बाद हमें इस साल का वर्ल्ड कप विजेता मिल जाएगा। पहला सेमीफाइनल मुकाबला



फ्रांस और स्पेन के बीच होने जा रहा है। वर्ल्ड कप के इतिहास में यह सिर्फ दूसरा मौका है जब ये दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। इसके साथ ही, इस बार टूर्नामेंट में गोल्डन बूट विजेता का फैसला भी इन्हीं आखिरी के तीन मैचों से तय होगा। एम्बाप्पे और मेसी गोल्डन बूट की रेस में हैं सबसे आगे इस समय फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल्डन बूट की रेस बहुत रोमांचक हो गई है। फ्रांस के कीलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी दोनों 8-8 गोल करके इस रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। दोनों ने अब तक 6-6 मैच खेले हैं। वहीं इंग्लैंड के हैरी केन और जूड बेलिंघैम भी 6-6 गोल के साथ इस रेस में बने हुए हैं। अगर टूर्नामेंट के आखिर में दो खिलाड़ियों के गोल बराबर रहते हैं, तो नियम के मुताबिक गोल्डन बूट उसे मिलता है जिसने सबसे ज्यादा असिस्ट किया हो। इस मामले में एम्बाप्पे अभी मेसी से आगे हैं। एम्बाप्पे के नाम 3 असिस्ट हैं, जबकि मेसी के नाम इस सीजन में 2 असिस्ट हैं।

इंग्लैंड के स्क्वाड में तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स की एंट्री, 8 महीने पहले खेला था ODI मैच

लंदन (एजेंसी)

भारत और इंग्लैंड के बीच 14 जुलाई से ODI सीरीज का आगाज हो चुका है। 3 मैचों की ODI सीरीज के बीच इंग्लैंड ने बड़ा ऐलान किया है। इंग्लैंड ने अपनी टीम को और मजबूत करने का फैसला किया है। दरअसल, इंग्लैंड के ODI स्क्वाड में तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स की लंबे समय बाद वापसी हो गई है। चोट से उबरने के बाद तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स को यह बड़ा मौका मिला है। उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज के बाकी दो मुकाबलों के लिए स्क्वाड में शामिल किया गया है। करीब 8 महीने बाद कार्स फिर से इंग्लैंड की ODI जर्सी में नजर आएंगे।

ब्रायडन की 8 महीने बाद ODI में वापसी 30 साल के ब्रायडन कार्स लंबे समय से कलाई और कोहनी की चोट के कारण क्रिकेट से दूर थे। हाल ही में उन्होंने डरहम के लिए T20 ब्लास्ट के तीन मुकाबले खेलकर प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की थी। इससे पहले वह IPL भी नहीं खेल सके थे। नेट्स में अभ्यास के दौरान उनके दाहिने हाथ में चोट लगी थी, हालांकि उस समय उनकी चोट को लेकर ज्यादा खुलासा नहीं किया गया था। कार्स ने इंग्लैंड के लिए अपना आखिरी मुकाबला इस साल की शुरुआत में सिडनी में खेले गए एशेज टेस्ट में खेला था। वहीं, ODI क्रिकेट में उन्होंने आखिरी बार नवंबर 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैदान पर कदम रखा था। अब भारत के खिलाफ सीरीज के अंतिम दो मैचों के लिए उन्हें फिर



से टीम में जगह मिली है।

इंग्लैंड के लिए खेले हैं 30 ODI

ODI करियर की बात करें तो ब्रायडन कार्स अब तक इंग्लैंड के लिए 30 ODI मैच खेल चुके हैं, जिनमें उन्होंने 34 विकेट अपने नाम किए हैं। इस दौरान उनका गेंदबाजी औसत 40.44 रहा है। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की ODI सीरीज के शेष दो मुकाबले 16 जुलाई को कार्डिफ और 19 जुलाई को लॉड्स में खेले जाएंगे। ऐसे में

कार्स की वापसी इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती दे सकती है।

भारत के खिलाफ ODI सीरीज के लिए इंग्लैंड की अपडेटेड टीम: हैरी ब्रूक(कप्तान)X(रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैटन, जैक बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, जेम्स कोल्स, सैम करन, लियाम डॉसन, वेन डकेट, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, जो रूट, जोश टंग।

रोहित शर्मा और विराट कोहली पहले ही मैच में फलाप, इंग्लैंड में खुली टीम इंडिया की पोल

लंदन (एजेंसी)

इंग्लैंड के खिलाफ पहले ODI मैच में भारतीय क्रिकेट के दो सबसे बड़े सितारे रोहित शर्मा और विराट कोहली उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। एजबेस्टन में दोनों अनुभवी बल्लेबाज लगातार दो ओवरों के भीतर आउट हो गए, जिससे रन चेज के दौरान टीम इंडिया शुरुआती दबाव में आ गई।

भारत को जीत के लिए 259 रन का लक्ष्य मिला था। ऐसे में फैस को उम्मीद थी कि रोहित और कोहली बड़ी साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत देंगे, लेकिन दोनों सस्ते में पवेलियन लौट गए। पारी की शुरुआत करने उतरे रोहित शर्मा शुरुआत से ही सहज नजर नहीं आए। उन्होंने अपनी 21 गेंदों की पारी में केवल 11 रन बनाए, जिसमें एक चौका शामिल था। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज सैम करन ने उन्हें आठवें ओवर में अपना शिकार बनाया। ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद पर रोहित आगे बढ़कर बड़ा शॉट खेलना चाहते थे, लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर मिड-ऑफ पर खड़े हैरी ब्रूक के हाथों में चली गई।

विराट कोहली ने कमबैक में किया निराश रोहित के आउट होने के बाद विराट कोहली लगभग 6 महीने के बाद ODI क्रिकेट में बल्लेबाजी के लिए उतरे तो एजबेस्टन का माहौल उत्साह से भर गया। हाल के महीनों में ODI और IPL में शानदार प्रदर्शन करने वाले कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद थी। हालांकि, उनकी पारी ज्यादा देर नहीं चली। अगले ही ओवर में जोफ्रा आर्चर ने अपनी



रणनीति से विराट को चकमा दे दिया। इससे पहले आर्चर की बाउंसर पर कोहली ने फाइन लेग की दिशा में चौका लगाया था। इसके बाद इंग्लिश तेज गेंदबाज ने फुल लेंथ गेंद फेंकी। कोहली फ्लिक खेलने के प्रयास में पूरी तरह चूक गए और गेंद सीधे उनके पैड पर जा लगी। इंग्लैंड की जोरदार अपील पर अंपायर ने तुरंत उंगली उठा दी। विराट ने कप्तान शुभमन गिल से DRS लेने पर चर्चा जरूर की, लेकिन अंत में उन्होंने

रिस्क नहीं लेने का फैसला किया और 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इस तरह पहले ही मैच में रोहित और विराट बल्ले से फ्लॉप साबित हुए। दोनों खिलाड़ियों को पहले मैच में नहीं चलना टीम इंडिया के लिए अच्छा संकेत नहीं है। इससे पहले इंग्लैंड जो रूट और लियाम डॉसन की अहम पारियों की बदौलत 258 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से स्पिनर अक्षर पटेल ने इंग्लैंड के 4 बल्लेबाजों का शिकार किया।